

Education visit in Ayurvedic hospital of Bori, Durg C.G.

Organised by

Botany Department of Government Naveen College Bori Durg CG

Session -2024



Participant

B.Sc. I Sem Bio.

Coordinator

Dr. Sangita Devi Sharma

List of participants

- | | |
|-------------------------------|----------------------|
| 1. Damini | 26. Preksha Deshmukh |
| 2. Davendra Khatri | 27. Ravishankar |
| 3. Dhaneshwari | 28. Rohini Patel |
| 4. Dolly Dhankar | 29. Roshni |
| 5. Faleshwari | 30. Saumya |
| 6. Gulshan | 31. Seema Sahu |
| 7. Haleshwari | 32. Sharda |
| 8. Hemeshwari | 33. Shashi |
| 9. Hemlata | 34. Vandana |
| 10. Khushi | 35. Urvashi |
| 11. Lalita | 36. Yuvrani Shinha |
| 12. Maheshwari | |
| 13. Megha | |
| 14. Monika | |
| 15. Nidhi Patel | |
| 16. Neha | |
| 17. Nikhil Kumar | |
| 18. Nikita Sen | |
| 19. Nilu | |
| 20. Nutan | |
| 21. Payal (Mohit Ram) | |
| 22. Payal Patel (Rohit Kumar) | |
| 23. Pooja Patel | |
| 24. Pratima Patel | |
| 25. Preeti Patel | |

Introduction: Arvedic hospital is a healthcare facility that provides treatment based on Ayurveda, a traditional system of medicine from India. These hospitals offer a range of therapies, including herbal medicine, dietary change, yoga, massage and detoxification, aimed at restoring balance in the body and mind. Ayurvedic treatment is tailored to individual patients based on their unique constitution (Prakriti) and health conditions. Ayurvedic treatment begins with an internal purification process, followed by special diet, herbal remedies, massage therapy, yoga and meditation. Concepts of universal interrelationships, body composition (Prakriti) and life forces (Doshas) are the primary basis of ayurvedic medicine. The goals of treatment are to help the patient by removing physical impurities, reducing symptoms and increasing immunity. A variety of herbs, other plants including oils and common spices and some minerals are widely used in Ayurvedic treatment.

Aim: a) To provide the knowledge of Ayurvedic treatment which begins with an internal purification process followed by special diets, herbal remedies, massage therapy, yoga and meditation.

b) To provide concept of universal interrelationships, body composition (prakriti) and life process (Doshas) which are primary basis of ayurvedic treatment.

c) To provide the knowledge of medicinal plants which are used in Ayurvedic treatment.

Visit Report:

Along with 36 students our visit was started at 11:00 a.m. of 19/12/2024. We reached the Government Ayurvedic hospital of Bori Durg at 11:30 a.m. The students became cheerful as soon



as they entered the hospital. All the students were thrilled to see the environment here, the cleanliness of the hospital and the medical system etc. There were various medical departments in which patients were being treated by various Ayurvedic medical systems. After that all the students met to the leading Ayurvedic medicine doctor, Dr. Vinita Chandrakar. (Medical officer) She welcomed all the students warmly and made them sit in his room.

One by one the students started discussing about ayurveda. She told that ayurveda is based on the principle that everything in the universe, dead or alive is connected. If your mind, body and soul are in harmony with the universe then your health is in good. Things that can disturb this

balance include genetic or both defects, injury, climate and seasonal changes, age and your emotions. She also told that every person is composed of five basic elements found in the Universe: Sky, air, fire, water and earth. These together create three life forces in the human body, called doshas. These control the way your body works. These are Vata dosha (Space and air), Pitta dosha (fire and water), and Kapha dosha (water and earth) Everyone inherits a unique mix of three doshas. Each dosha controls a different function of the body. It is believed that your chances of falling ill and the health problems you develop are not in balance with your doshas.

बसन्त-ऋतुचर्या
समय-चैत्र-वैशाख (अप्रैल-मई)

ऋतु-स्वभाव-कफ-प्रकोप।
सम्भावित रोग-श्वास, काश, अंगमर्द, ज्वर, वात, श्लेष्मिकज्वर, वमन, अरुचि, हृत्लास, प्रसेक, मारीपन, अग्निमांश, अध्मान, आटोप, विबन्ध, उदरशूल, कृमि आदि विकार होते हैं।
देह प्रकृति-कफ-प्रकृति वालों के लिए विशेष सावधान रहना आवश्यक है।

पथ्य-आहार

- एक वर्ष पुराना जौ, गेहूँ व चावल का उपयोग करना उचित है।
- इस ऋतु में ज्वार, बाजरा, मक्का आदि रूक्ष धानों का आहार श्रेष्ठ है।
- मूंग, मसूर, अरहर व चने की दालें उपयोगी हैं। तथा मूली, धीया, गाजर, बथुआ, चोलाई, परवल, सरसों, मेथी, पालक, धनिया, अदरक आदि का सेवन करना हितकर है।

पथ्य-विहार

- शरीर संशोधन हेतु वमन एवं जलनेति, नस्य, कुण्जल आदि हितकर है।
- रूक्ष, कुटु, तिक्त, कषाय रस वाले पदार्थों का सेवन करें।
- इस ऋतु में परिश्रम, व्यायाम, उद्वेगन करना चाहिये, चिकित्सक के परामर्श से कफ निकालने वाली औषधियों का सेवन करना चाहिये तथा नेत्रों अंजन का प्रयोग हितकर है।
- शरीर पर चन्दन, अगर आदि का लेप करना चाहिये।
- रसायन औषध व मधु के साथ हरीतिकी चुर्ण का प्रयोग करना चाहिये।
- बाग-बगीचों व नदी किनारे शीतल मन्द व सुगन्धयुक्त प्रातःकालीन ह का सेवन हितकर है।
- ब्राह्ममुहूर्त में उठकर शीघ्रिदा से निवृत्त होकर योगासन करना चाहिये।
- तेलभ्यंग (मालिश) करना उत्तम है।

अपथ्य-आहार

- नवीन-अन्न, शीतल, स्निग्ध, गुरु, अम्ल एवं मधुर-द्रव्य, दही, उड़द, प्याज, गन्ना, नवीन-गुड़ का दुध व सिंघाड़े का सेवन निषिद्ध है।

अपथ्य-विहार

- दिन में सोना, एक स्थान पर लम्बे समय तक बैठे रहना उचित नहीं।

शासकीय आयुर्वेद औषधालय बोरी, ब्लॉक-धनधा, दुर्ग (छ.ग.)

ग्रीष्म-ऋतुचर्या
समय-ज्येष्ठ-आषाढ़ (जून-जुलाई)

ऋतु-स्वभाव-वात का संघर्ष व कफ का प्रशमन।
सम्भावित रोग-रूक्षता एवं दीर्घत्व होता है। ग्रीष्म-ऋतु में अंशुघात, ज्वर-लगना, हेजा, खसरा, घेचक, रोमान्तिका, वमन, अतिसार, ज्वर, रक्तपित्त (नकसीर) दाह, तृषा, पाण्डू कामला, यकृददाल्युदर आदि रोग होने की संभावना रहती है।
देह प्रकृति-वात-प्रकृति वालों के लिए अहितकर है।
पथ्य-आहार-इस ऋतु में शीत, स्निग्ध, मधुर एवं लघु आहार यथा-सादी चावल, जौ, मूंग, मसूर आदि का सेवन करना चाहिये।
- दूध, पेय, पानक (पाना) दही की लस्सी, फलों का रस, सत्तु, छाछ आदि का प्रयोग हितकर है।
- नारंगी, अनार, नींबू व गन्ने, का रस, खरबूजा, तरबूज, शहदुल आदि रसदार फलों का नारियल का पानी, जलजीरे का प्रयोग हितकर है।
- प्याज, कौरी (कच्चा आम) का प्रयोग करना चाहिये।
- ब्राह्ममुहूर्त में उठकर उष्णपान अवश्य करना चाहिये।

पथ्य-विहार

- उद्यान में घूमना (टहलना) चाहिये।
- दिन में कम से कम दो बार (प्रातः एवं सायं) स्नान करना चाहिये।
- शीतल गृह में सोना या बैठना चाहिये।
- घुप में निकलने से पूर्व जल पीकर, सिर को ढक कर जाना चाहिये।
- बार-बार थोड़ी मात्रा में पानी पीते रहना चाहिये।
- हल्के एवं सूती कपड़े पहनना चाहिये।
- मन को प्रिय लगने वाले सुगन्धित द्रव्यों का प्रयोग करना चाहिये।
- दिन में सोना हितकर है।

अपथ्य-आहार

- उष्ण, तीक्ष्ण, रूक्ष गुण वाले, लवण रस प्रधान द्रव्यों का तथा मांस, तले हुए पदार्थ, तेज मसालों से बने पदार्थ, मैदा या बेसन से बने हुए आहार का सेवन नहीं करना चाहिये या कम करना चाहिये।
- मसिरा का सेवन नहीं करना चाहिये।

अपथ्य-विहार

- घुप से बचना चाहिये, परिश्रम, व्यायाम व सहवास कम करना चाहिये।
- प्यास को नहीं रोकना चाहिये।
- कृत्रिम धागों से निर्मित (सिन्थेटिक) वस्त्रों को धारण नहीं करना चाहिये।
- कृत्रिम सौन्दर्य प्रसाधनों का अधिक प्रयोग न करें।
- प्रदूषित जल व स्थान (मैला आदि) से अपने आपको बचावे।

शासकीय आयुर्वेद औषधालय बोरी, ब्लॉक-धनधा, दुर्ग (छ.ग.)

शरद-ऋतुचर्या
समय-आश्विन-कार्तिक (अक्टूबर-नवम्बर)

ऋतु-स्वभाव-पित्त-प्रकोप, वात-प्रशम।
सम्भावित रोग-वर्षा उपरांत बादलों के छट जाने व आकाश के साफ होने पर रुद्ध-रक्तमाप से पित्त का प्रकोप होता है। अतः पित्तप्रधान रोग यथा-ज्वर, उदर-पित्त, दाह, छिदिरशूल, भ्रम, अरुचि आदि विकार होने की संभावना होती है।
देह प्रकृति-वात ऋतु पित्त प्रकृति वालों के लिए अहितकारक है।
पथ्य-विहार-इस ऋतु में रक्तमाप हितकर है।
- मसूर, लघु, शीतल एवं रित्त रस वाले द्रव्यों का सेवन हितकर है।
- साल चावल, सारी दालें, जे एवं गेहूँ का उपयोग करना चाये।
- निर्मल जल (हरीदक) या चिकित्सी सम्पित जल का प्रयोग करें।
- करला, परवल, तूर, मेथी, लोकी, पालक, मूली, सिंघाड़ा, गोभी, अंगूर, टमाटर, व फलों का रस सुखे फेले, नारियल का प्रयोग हितकर है।
- घी का प्रयोग विशेष रूप से किया जाना उचित है।
- व्यायामाश्र, आयलकी-रसायन, ब्रह्मरसायन, वसन्त-कुसुमाकर आदि रसायन औषधियों का चिकित्सक के परामर्श से सेवन उचित करें।
- चिकित्सक, विशेष धूम, अम्लतास का गुदा व मुनकका का प्रयोग हितकर है।
- चिलके वाली दाल (मूंग, उड़द) एवं गन्ने-मसाली रहित शाक-सब्जियों का सेवन करना चाहिये।
- गन्ने जल में नींबू का रस मिलाकर प्रातःकाल पीना लाभदायक है।
- मुनकका व हरितकी का प्रयोग विशेष रूप से करें।

पथ्य-विहार

- तेल की मालिश एवं व्यायाम नियमित करें तथा जिन व्यक्तियों को व्यायाम-आसन आदि करने में कठिनाई हो या दुर्बल हो प्रातःभयग करें।
- ब्रह्ममुहूर्त में उठकर उष्णपान करें और शीतल जल से स्नान करें।
- वातायन मुक्त कक्ष में शयन करना चाहिये।
- लातान, तापस्थाल या बागद्वय में स्नान करके निर्मल व हल्के वस्त्र धारण करना चाहिये।
- रात्रि के प्रथम प्रहर में चन्दना की किरने सेवन करना तथा शरीर पर चन्दन का लेप करना हितकर है।

अपथ्य-आहार

- मैदा से बने हुए आहार-द्रव्य सेवन नहीं करना चाहिये।
- उष्ण, तीक्ष्ण, गुरु, विषादी, मसालेदार व तले हुए खाद्यों का प्रयोग न करें।
- वसा, तेल, क्षार, दही व मछली के मांस का सेवन अहितकर है।
- अम्लक को खासी पेट व अधिक मात्रा में न खाये।
- कण्ट-शाक्यों का प्रयोग हानिकारक होता है।
- नारसति घी का प्रयोग लाभदायक नहीं है।
- दुधित, दुग्धित जलवायों का पानी न पीये।
- मृगमन्त्री का मक्का की मुट्टे खाकर रक्त जल न पीये।
- ककड़ी ककड़ी व खीर का अधिक प्रयोग तथा दही के साथ प्रयोग हानिकारक है।

अपथ्य-विहार

- दिन में न सोये तथा गृह को ढक कर न सोये, खुली आरामग के नीचे न सोये।
- पूरी हवा, ओस व धूप से बचे।
- संयमि जागरण और अतिशयवास वर्जित है।

शासकीय आयुर्वेद औषधालय बोरी, ब्लॉक-धनधा, दुर्ग (छ.ग.)

आयुष्मान् भारत
हेतुय एवम बैलनेस सेंटर
"हर दिन हर किसी के लिए आयुर्वेद"

(Pulses)

मूंग (मुद्ग) Green Gram	सर्वश्रेष्ठ पचने में हल्की, अधिक मात्रा में लाभकारी।	मसूर (मसूरिका) Lentil	सर्वश्रेष्ठ पचने में भारी, आटोप व रक्तप्रकोप में लाभकारी।
अरहर (अरुकी) Red Gram	सर्वश्रेष्ठ पचने में भारी, आटोप व रक्तप्रकोप में लाभकारी।	उड़द (भाय) Black gram	सर्वश्रेष्ठ पचने में भारी, आटोप व रक्तप्रकोप में लाभकारी।
काली (कुलथ) Horse gram	सर्वश्रेष्ठ पचने में भारी, आटोप व रक्तप्रकोप में लाभकारी।	सोयाबीन (राजशिमी) Soyabean	सर्वश्रेष्ठ पचने में भारी, आटोप व रक्तप्रकोप में लाभकारी।
छोला (चनाक) White Gram	सर्वश्रेष्ठ पचने में भारी, आटोप व रक्तप्रकोप में लाभकारी।	राजमा (राजम) Kidney bean	सर्वश्रेष्ठ पचने में भारी, आटोप व रक्तप्रकोप में लाभकारी।

अधिक जानकारी हेतु निकटतम आयुष्मान् हेतु एवम बैलनेस सेंटर के चिकित्सक से संपर्क करें।
विदेशीय : राष्ट्रीय आयुष्मान् मिशन संसाधन आयुष्मान्, रायपुर (छ.ग.)
संयोजन : जिला आयुर्वेद अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.)

Ayurveda Medical Equipment

Ayurvedic medicine has many tools that are used to help you achieve harmony, prevent disease and treat your problems. These devices include-

(1) **Herbal Medicine-** It is a major component of Ayurveda. It is used in different combinations depending on your dosha. She told that most of the plants around world definitely have same medical properties. Here too, some medicines or pastes are prepared from many type of plants. But most of the herbal medicines are procured from Ayurvedic medicine manufacturing companies.

(2) **Some Ayurvedic** medicine manufacturing companies of India Baidyanath Ayurveda, Dabur India Limited; Hamdard Laboratory, Zandu Ayurveda, Patanjali Ayurveda, Charak Pharma Private Limited, Himalaya Wellness, Vicco Laboratory Pharmaceuticals Limited etc.

(3) **Yoga-**According to the scriptures, the practice of yoga. Connect the individual consciousness with the universal consciousness, indicating a perfect harmony between mind and body, man and nature.

(4) **Attention-**Meditation is a practice that involves focussing your mind using a combination of mental and physical stresses.

(5) **Purification Program-**It is also known as Panchakarma. It is used to clear undigested food from your body through procedures like blood purification, massage, medicinal oils, herbs, enemas and laxatives.

(6) **Counselling:** Your therapist will help you understand your doshas, how the doshas affect your life and how you can change your lifestyle to create more balance and harmony.

She further said that most of the Ayurvedic doctors work in rural areas who are providing health services to at least 500 million people in India alone. Our dispensary provides medicines consultation or other services to about 5 to 10 persons every day.

The students also discussed about various medical plants present in hospital campus and their uses in treatment of disease and returned with gratitude to the doctor



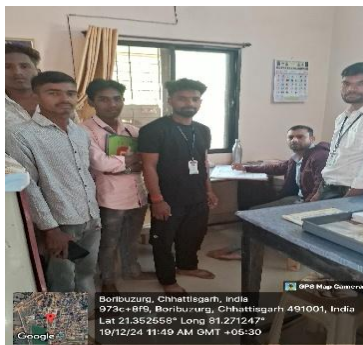
LIST OF MEDICINAL PLANTS OBSERVED IN AYRVEDA HOSPITAL OF BORI DURG C.G

PLANT PRESENT IN AYURVEDIC HOSPITAL BORI DURG [C.G.]

S.No.	Local name of plant	Botanical name	Parts uses as medicine	medicinal importance
1.	Vasa	<i>Justice adhatola</i>	Leaves , flower , Root	1-Bronchitis and Asthma 2- Cough and cold
2.	Aprajita	<i>Clitoria ternatea</i>	Root and seeds	1-Mental health 2-Sleep disorder
3.	Amla	<i>Phyllantus emblica</i>	Leaves , stem , root	1-digestive system 2-heart disease
4.	Neem	<i>Azadirachta indica</i>	Leaves , root, stem	1-skin disorders 2-oral health
5.	Amaltash	<i>Cassia fistula</i>	Fruits , leaves, root	1-constipation 2-skin disorder
6.	Tulsi	<i>Ocimum tenuiflorum</i>	Whole plant	1-respiratory issues 2-fever and infections
7.	Chirata	<i>Swertia</i>	Roots	1-fever and malaria 2-digestive issues
8.	Parijaat	<i>Nyctantheas abortristis</i>	Leaves , flower, seed	1-fever and malaria 2-skin disorders
9.	Snuhi	<i>Euphorbia nerifolia</i> Linn.	Whole plant	1-piles and hemorrhoids 2-skin disorders
10.	Nirgundi	<i>Vitex negundo</i>	Leaves , root , seed	1-pain relief 2-skin disorders
11.	Karanj	<i>Pongame oiltree</i>	Root , leaves , flower	1-skin disorder 2-pain relief
12.	Arand	<i>Ricinus communis</i>	Seed , twigs, leaves	1-constipation 2-menstrual issues
13.	Amrud	<i>Psidium guajava</i>	Fruits, leaves , stem	1-immune system 2-fever and infections
14.	Kachnar	<i>Bauhinia variegata</i>	Whole plant	1-respiratory issues 2-digestive issues
15.	Ashok	<i>Saraca asoca</i>	Bark, leaves, flower	1-uterine disorder 2-menstrual issues
16.	Bryophullum	<i>Bacopa monnieri</i>	Leaves, stem, root	1-memory and cognitive 2-epilepsy
17.	Dona	<i>Corchous capsularis</i>	Leaves, stem, root, seed	1-respiratory issues 2-digestive issues
18.	Mitha neem	<i>Muraya koenigii</i>	Leaves, stem, root, seed	1-constipation 2-skin disorder
19.	Saptarni	<i>Alstonia scholaris</i>	Bark , leaves	1-fever and malaria 2-respiratory system
20.	Chitrak	<i>Plumbago zeylanica</i>	Root	1-digestive issues 2-skin disorders



Some glimpses of ayurvedic hospital visi of B.Sc. I Sem Bio on dated 19/12/2024



Education visit in Ayurvedic hospital of Bori, Durg C.G.

Organised by

Botany Department of Government Naveen College Bori Durg CG

Session -2024



Participant

B.Sc. I Sem Bio.

Coordinator

Dr. Sangita Devi Sharma

List of participants

1. Damini → Damini
2. Davendra Khatri DEVANAND
3. Dhaneshwari Dhaneshwari
4. Dolly Dhankar DOLLY
5. Falleshwari Faleshwari
6. Gulshan Gulshan
7. Haleshwari Haleshwari
8. Hemeshwari Hemeshwari
9. Hemlata Hemlata
10. Khushi - Khushi
11. Lalita Lalita
12. Maheshwari mpatel
13. Megha Megha
14. Monika Monika
15. Nidhi Patel - Nidhi
16. Neha - Neha
17. Nikhil Kumar Nikhil Kumar
18. Nikita Sen
19. Nilu - Nilu
20. Nutan - Nutan Lal
21. Payal (Mohit Ram) Payal Sahy
22. Payal Patel (Rohit Kumar) - Payal Patel
23. Pooja Patel Pooja Patel
24. Pratima Patel Pratima
25. Preeti Patel Preeti Patel
26. Preksha Deshmukh Preksha
27. Ravishankar Ravishankar
28. Rohini Patel Rohini Patel
29. Roshni - Roshni
30. Saumya - Saumya
31. Seema Sahu Seema
32. Sharda - Sharda
33. Shashi - Shashi
34. Vandana - Vandana
35. Urvashi Urvashi
36. Yuvrani Shinha Yuvrani Shinha

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय नवीन महाविद्यालय-बोरी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

NAAC Accredited "B" Grade
www.govtcollegebori.com
Email-govtcollegebori@gmail.com
College Code - 1609

बोरी, दिनांक 16/12/2024

सूचना

बी.एस.सी प्रथम सेमेस्टर के समस्त विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि प्रायोगिक कार्य में सम्मिलित आयुर्वेदिक औषधालय में भ्रमण एवं आयुर्वेदिक चिकित्सक के साथ परिचर्चा हेतु दिनांक 19.12.2024 (दिन-गुरुवार) को ग्राम -बोरी में स्थित आयुर्वेदिक औषधालय में शैक्षणिक भ्रमण हेतु आप सभी की उपस्थिति अनिवार्य है। अतः आप सभी उक्त दिनांक को 11.00 बजे महाविद्यालय परिसर में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे।

Sharma

विभागाध्यक्ष वनस्पतिशास्त्र

C Dr. Sangita Devi Sharma

[Signature]

प्राचार्य

डॉ. (श्रीमती) कमल तलत

प्राचार्य

शासकीय नवीन महाविद्यालय बोरी
जिला -दुर्ग (छ.ग.)

सूचना- HOD Chemistry - *[Signature]*
HOD Zoology - *[Signature]*
HOD English - *[Signature]*
HOD - Political Science - *[Signature]*
17/12/24.

प्रति,

प्राचार्य
शासकीय नवीन महाविद्यालय बोरी
दुर्ग (छ.ग.)

विषय — बी.एस.सी प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को आयुर्वेदिक हॉस्पिटल
में भ्रमण एवं परिचर्चा बाबत (11.12.2024)।

महोदया,

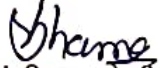
उपरोक्त विषयांतर्गत निवेदन है कि बी.एस.सी प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के प्रायोगिक कार्य में स्थानीय आयुर्वेदिक औषधालय का भ्रमण एवं आयुर्वेदिक चिकित्सक के साथ परिचर्चा सम्मिलित है। इस हेतु मैं दिनांक 11.12.2024 को विद्यार्थियों को बोरी ग्राम में स्थित आयुर्वेदिक औषधालय ले जाना चाहती हु। अतः आप उक्त भ्रमण हेतु अनुमति प्रदान करने की कृपा करें।

"धन्यवाद"

दिनांक-07.12.2024

Permitted


प्राचार्य
शासकीय नवीन महाविद्यालय बोरी
जिला -दुर्ग (छ.ग.)

भवदीय

डॉ.संगीता देवी शर्मा
विभागाध्यक्ष वनस्पतिशास्त्र
शासकीय नवीन महाविद्यालय बोरी,दुर्ग

Introduction: Arvedic hospital is a healthcare facility that provides treatment based on Ayurveda, a traditional system of medicine from India. These hospitals offer a range of therapies, including herbal medicine, dietary change, yoga, massage and detoxification, aimed at restoring balance in the body and mind. Ayurvedic treatment are tailored to individual patient based on their unique constitution (Prakriti) and health conditions. Ayurvedic treatment begins with an internal purification process, followed by special diet, herbal remedies, massage therapy, yoga and meditation. Concepts of universal interrelationships, body composition (Prakriti) and life forces (Doshas) are the primary basis of ayurvedic medicine. The goals of treatment are to help to patient by removing physical impurities, reducing symptoms and increasing immunity. A variety of herbs, other plants including oils and common spices and some minerals are widely used in Ayurvedic treatment.

Aim: a) To provide the knowledge of Ayurvedic treatment which begins with an internal purification process followed by special diets, herbal remedies, massage therapy, yoga and meditation.

b) To provide concept of universal interrelationships, body composition (prakriti) and life process (Doshas) which are primary basis of ayurvedic treatment.

c) To provide the knowledge of medicinal plants which are used in Ayurvedic treatment.

Visit Report:

Along with 36 students our visit was started at 11:00 a.m. of 19/12/2024. We reached the Government Ayurvedic hospital of Bori Durg at 11:30 a.m. The students became cheerful as soon



as they entered the hospital. All the students were thrilled to see the environment here, the cleanliness of the hospital and the medical system etc. There were various medical departments in which patients were being treated by various Ayurvedic medical systems. After that all the students meet to the leading Ayurvedic medicine doctor, Dr. Vinita Chandrakar. (Medical officer) She welcomed all the students warmly and made them sit in his room.

One by one the students started discussing about ayurveda. She told that ayurvada is based on the principle that everything in the universe, dead or alive is connected. If your mind, body and soul are in harmony with the universe then your health is good. Things that can disturb this

balance include genetic or both defects, injury, climate and seasonal changes, age and your emotions. She also told that every person is composed of five basic elements found in the Universe: Sky, air, fire, water and earth. These together create three life forces in the human body, called doshas. These control the way your body works. These are Vata dosha (Space and air), Pitta dosha (fire and water), and Kapha dosha (water and earth) Everyone inherits a unique mix of three doshas. Each dosha controls a different function of the body. It is believed that your chances of falling ill and the health problems you develop are not in balance with your doshas.

वसन्त-ऋतुचर्या

समय-वैशाख-वैशाख (अप्रैल-मई)

ऋतु-स्वभाव-कफ-प्रकोप।
सम्भावित रोग-श्वसन, कोश, अंगमांस, ज्वर, वात, हस्तिकज्वर, वमन, अरुचि, हृत्पित्त, प्रसक्तभासीपन, अग्निमांस, आत्मान, आरोग्य, विषय, उदर, कृमि आदि विकार होते हैं।
दोष-प्रकृति-कफ-प्रकृति वाली के लिए विशेष सावधान रहना आवश्यक है।

एक वर्ष पुराना जी, गेहूँ व चावल का उपयोग करना उचित है।
इस ऋतु में ज्वर, बाजरा, मक्का आदि रूख धानी का आहार श्रेष्ठ है।
गुग्गुलु, मसूर, अरहर व चने की दालें उपयोगी हैं। तथा मूली, चीया, गाजर, बबुआ, चोलाई, परवल, सरसों, मेथी, पालक, घनिया, अदरक आदि का सेवन करना हितकर है।

पच्य-विहार-
शरीर संशोधन हेतु घमन एवं जलनेति, नस्य, कुञ्जल आदि हितकर है।
रुख, कटु, तिक्त, कषाय रस वाले पदार्थों का सेवन करें।
इस ऋतु में परिश्रम, व्यायाम, उबटन करना चाहिये, चिकित्सक के परामर्श से कफ निकालने वाली औषधियों का सेवन करना चाहिये तथा नैवेद्य अन्न का प्रयोग हितकर है।
शरीर पर घमन, अंगर आदि का लेप करना चाहिये।
रसायन औषध व मधु के साथ हरीसिकी घुर्ण का प्रयोग करना चाहिये।
बाग-बगीचों व नदी किनारे शीतल मन्थ व सुगन्धयुक्त प्रातःकालीन स्नान का सेवन हितकर है।
ब्राह्ममुहूर्त में उठकर शीघ्र ही निवृत्त होकर योगासन करना चाहिये।
तैलान्ध्र्य (मातृशिर) करना उत्तम है।

अपचय-आहार-
नवीन-अन्न, शीतल, शिथिल, गुरु, अम्ल एवं मसूर-द्वय, वही, उबटन, धाज, गुन्ना, नवीन-गुड का दुध व सिंघाड़े का सेवन निश्चिद है।

अपचय-विहार-
दिन में सोना, एक स्थान पर लम्बे समय तक बैठे रहना उचित नहीं।

शासकीय आयुर्वेद औषधालय बोरी, ब्लॉक-धमया, दुर्ग (छ.ग.)

शीष्म-ऋतुचर्या

समय-ज्येष्ठ-आषाढ (जून-जुलाई)

ऋतु-स्वभाव-वात का संघर्ष व कफ का प्रशमन।
सम्भावित रोग-रूक्षाता एवं दीर्घव्य होता है। शीष्म-ऋतु में अमृताल (अ-अमना) हेजा, खरसा, घेचका, रोमांतिका, घमन, अतिसार, ज्वर, रक्तपित्त (नकली) दाह, गुप्ता, पाण्डु कामला, यक्ष्मदाह्युदर आदि रोग होने की संभावना रहती है।
दोष-प्रकृति-वात-प्रकृति वाली के लिए अहितकर है।

पच्य-आहार-इस ऋतु में शीत, शिथिल, मसूर एवं लघु आहार यथा-सादी घावल जी, गुग्गुलु, मसूर आदि का सेवन करना चाहिये।
दुध, घी, पानक (पण) दही की लस्सी, फली का रस, सतु, छाछ आदि का प्रयोग हितकर है।
नारंगी, अनार, नींबू व गन्ने का रस, खरबुजा, लहसुन, शहनुत आदि रसदाह फली का तारियल का पानी, जलजीरे का प्रयोग हितकर है।
ध्याज, करी (कच्चा अम) का प्रयोग करना चाहिये।
ब्राह्ममुहूर्त में उठकर उष्ण पान अवश्य करना चाहिये।

पच्य-विहार-
उद्यान में घूमना (टहलना) चाहिये।
दिन में कम से कम दो बार (प्रातः एवं सायं) स्नान करना चाहिये।
शीतल गुह में सोना या बैठना चाहिये।
घुष में निकलने से पूर्व जल पीकर, शिर को ठंडा कर जाना चाहिये।
बाग-बाग छोड़ी मात्रा में घानी पीने से रोगना चाहिये।
इसके एवं शुष्क कपड़े पहनना चाहिये।
घन को प्रिय लगने वाले सुगन्धित द्रव्यों का प्रयोग करना चाहिये।
दिन में सोना हितकर है।

अपचय-आहार-
उष्ण, तीक्ष्ण, रुखा गुण वाले, लवण रस प्रधान द्रव्यों का तथा मसूर, लहसुन, पदार्थ, तेज मसालों से बने पदार्थ, मैदा या बेसन से बने हुए आहार का सेवन नहीं करना चाहिये या कम करना चाहिये।
मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिये।

अपचय-विहार-
घुष से बचना चाहिये, परिश्रम, व्यायाम व सहवास कम करना चाहिये।
प्यास लगे नहीं पीना चाहिये।
कठिन धातुओं से निर्मित (डिम्बेटिका) वस्त्रों को धारण नहीं करना चाहिये।
कठिन सौम्य प्रसाधनों का अधिक प्रयोग न करें।
प्रदूषित जल व स्थान (मैला आदि) से अपने आपको बचाये।

शासकीय आयुर्वेद औषधालय बोरी, ब्लॉक-धमया, दुर्ग (छ.ग.)

शरद-ऋतुचर्या

समय-आश्विन-कार्तिक (अक्टूबर-नवम्बर)

ऋतु-स्वभाव-विषय-प्रकोप, ज्वर-प्रशम।
सम्भावित रोग-ज्वर, श्वसन, कोश, अंगमांस, ज्वर, वात, हस्तिकज्वर, वमन, अरुचि, हृत्पित्त, प्रसक्तभासीपन, अग्निमांस, आत्मान, आरोग्य, विषय, उदर, कृमि आदि विकार होते हैं।
दोष-प्रकृति-कफ-प्रकृति वाली के लिए विशेष सावधान रहना आवश्यक है।

एक वर्ष पुराना जी, गेहूँ व चावल का उपयोग करना उचित है।
इस ऋतु में ज्वर, बाजरा, मक्का आदि रूख धानी का आहार श्रेष्ठ है।
गुग्गुलु, मसूर, अरहर व चने की दालें उपयोगी हैं। तथा मूली, चीया, गाजर, बबुआ, चोलाई, परवल, सरसों, मेथी, पालक, घनिया, अदरक आदि का सेवन करना हितकर है।

पच्य-विहार-
शरीर संशोधन हेतु घमन एवं जलनेति, नस्य, कुञ्जल आदि हितकर है।
रुख, कटु, तिक्त, कषाय रस वाले पदार्थों का सेवन करें।
इस ऋतु में परिश्रम, व्यायाम, उबटन करना चाहिये, चिकित्सक के परामर्श से कफ निकालने वाली औषधियों का सेवन करना चाहिये तथा नैवेद्य अन्न का प्रयोग हितकर है।
शरीर पर घमन, अंगर आदि का लेप करना चाहिये।
रसायन औषध व मधु के साथ हरीसिकी घुर्ण का प्रयोग करना चाहिये।
बाग-बगीचों व नदी किनारे शीतल मन्थ व सुगन्धयुक्त प्रातःकालीन स्नान का सेवन हितकर है।
ब्राह्ममुहूर्त में उठकर शीघ्र ही निवृत्त होकर योगासन करना चाहिये।
तैलान्ध्र्य (मातृशिर) करना उत्तम है।

अपचय-आहार-
नवीन-अन्न, शीतल, शिथिल, गुरु, अम्ल एवं मसूर-द्वय, वही, उबटन, धाज, गुन्ना, नवीन-गुड का दुध व सिंघाड़े का सेवन निश्चिद है।

अपचय-विहार-
दिन में सोना, एक स्थान पर लम्बे समय तक बैठे रहना उचित नहीं।

शासकीय आयुर्वेद औषधालय बोरी, ब्लॉक-धमया, दुर्ग (छ.ग.)

आयुष्मान भारत

हर दिन हर किसी के लिए आयुर्वेद (For All)

गुन (गुन) Green Gram	नारंगी (नारंगी) Lentil
अरहर (अरहर) Red Gram	उबटन (उबटन) Black gram
कुन्नी (कुन्नी) Horse gram	सोयाबीन (सोयाबीन) Soybean
जोडा (जोडा) White Gram	सजना (सजना) Kidney bean

अधिक जानकारी हेतु विकल्प मसूर, लहसुन, पदार्थ, तेज मसालों से बने पदार्थ, मैदा या बेसन से बने हुए आहार का सेवन नहीं करना चाहिये।

मिडियाल, राष्ट्रीय विज्ञान विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आयुर्वेद विभाग, दिल्ली।

Ayurveda Medical Equipment

Ayurvedic medicine has many tools that are used to help you achieve harmony, prevent disease and treat your problems. These devices include-

(1) **Herbal Medicine-** It is a major component of Ayurveda. It is used in different combinations depending on your dosha. She told that most of the plants around world definitely have same medical properties. Here too, some medicines or pastes are prepared from many type of plants. But most of the herbal medicines are procured from Ayurvedic medicine manufacturing companies.

(2) **Some Ayurvedic** medicine manufacturing companies of India Baidyanath Ayurveda, Dabur India Limited; Hamdard Laboratory, Zandu Ayurveda, Patanjali Ayurveda, Charak Pharma Private Limited, Himalaya Wellness, Vicco Laboratory Pharmaceuticals Limited etc.

(3) **Yoga-**According to the scriptures, the practice of yoga. Connect the individual consciousness with the universal consciousness, indicating a perfect harmony between mind and body, man and nature.

(4) **Attention-Meditation** is a practice that involves focussing your mind using a combination of mental and physical stresses.

(5) **Purification Program-**It is also known as Panchakarma. It is used to clear undigested food from your body through procedures like blood purification, massage, medicinal oils, herbs, enemas and laxatives.

(6) **Counselling:** Your therapist will help you understand your doshas, how the doshas affect your life and how you can change your lifestyle to create more balance and harmony.

She further said that most of the Ayurvedic doctors work in rural areas who are providing health services to at least 500 million people in India alone. Our dispensary provides medicines consultation or other services to about 5 to 10 persons every day.

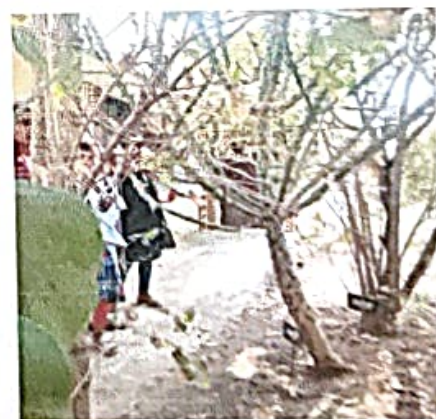
The students also discussed about various medical plants present in hospital campus and their uses in treatment of disease and returned with gratitude to the doctor



LIST OF MEDICINAL PLANTS OBSERVED IN AYRVEDA HOSPITAL OF BORI DURG C.G

PLANT PRESENT IN AYURVEDIC HOSPITAL BORI DURG (C.G.)

S.No.	Local name of plant	Botanical name	Parts uses as medicine	medicinal importance
1.	Vasa	<i>Justice adhatola</i>	Leaves , flower , Root	1-Bronchitis and Asthma 2- Cough and cold
2.	Aprajita	<i>Clitoria ternatea</i>	Root and seeds	1-Mental health 2-Sleep disorder
3.	Amla	<i>Phyllantus emblica</i>	Leaves , stem , root	1-digestive system 2-heart disease
4.	Neem	<i>Azadirachta indica</i>	Leaves , root, stem	1-skin disorders 2-oral health
5.	Amaltash	<i>Cassia fistula</i>	Fruits , leaves, root	1-constipation 2-skin disorder
6.	Tulsi	<i>Ocimum tenuiflorum</i>	Whole plant	1-respiratory issues 2-fever and infections
7.	Chirata	<i>Swertia</i>	Roots	1-fever and malaria 2-digestive issues
8.	Parijaat	<i>Nyctantheas abortristis</i>	Leaves , flower, seed	1-fever and malaria 2-skin disorders
9.	Snuhi	<i>Euphorbia nerifolia Linn.</i>	Whole plant	1-piles and hemorrhoids 2-skin disorders
10.	Nirgundi	<i>Vitex negundo</i>	Leaves , root , seed	1-pain relief 2-skin disorders
11.	Karanj	<i>Pongame oiltree</i>	Root , leaves , flower	1-skin disorder 2-pain relief
12.	Arand	<i>Ricinus communis</i>	Seed , twigs, leaves	1-constipation 2-menstrual issues
13.	Amrud	<i>Psidium guajava</i>	Fruits, leaves , stem	1-immune system 2-fever and infections
14.	Kachnar	<i>Bauhinia variegata</i>	Whole plant	1-respiratory issues 2-digestive issues
15.	Ashok	<i>Saraca asoca</i>	Bark, leaves, flower	1-uterine disorder 2-menstrual issues
16.	Bryophullum	<i>Bacopa monnieri</i>	Leaves, stem, root	1-memory and cognitive 2-epilepsy
17.	Dona	<i>Corchorus capsularis</i>	Leaves, stem, root, seed	1-respiratory issues 2-digestive issues
18.	Mitha neem	<i>Murraya koenigii</i>	Leaves, stem, root, seed	1-constipation 2-skin disorder
19.	Saptarni	<i>Alstonia scholaris</i>	Bark , leaves	1-fever and malaria 2-respiratory system
20.	Chitrak	<i>Plumbago zeylanica</i>	Root	1-digestive issues 2-skin disorders



Some glimpses of ayurvedic hospital visi of B.Sc. I Sem Bio on dated 19/12/2024



A

Report on

BOTANICAL EXCERPTION STUDY TOUR

at

Verma Agricultural farm House

Bori, Durg (C.G.)



Submitted to the Department of Botany

Govt. Naveen College Bori ,Durg

in partial fulfillment of the requirements for

B. Sc III (Bio) year Examination ,

Hemchand Yadav University Durg C.G.

Submitted by :

Students of B Sc. III (Bio)

(2024 – 2025)

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय नवीनमहाविद्यालय-बोरी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

NAAC Accredited "B" Grade
www.govtcollegebori.com
Email-govtcollegebori@gmail.com
College Code - 1609

बोरी दिनांक 23/09/2024

सूचना

बी.एस.सी तृतीय वर्ष के समस्त छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि बी.एस.सी तृतीय वर्ष के प्रायोगिक कार्य से सम्मिलित फ़िल्ड स्टडी हेतु दिनांक 25/09/24 को महाविद्यालय के समीप स्थित वर्मा फॉर्म हाऊस में पौधों में होने वाले रोगों के अध्ययन हेतु जाना है। अतः समस्त छात्र-छात्राएँ उपरोक्त दिनांक को प्रातः 11.30 बजे अनिवार्य रूप से महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

Sham
विभागाध्यक्ष

[Signature]
Principal
Govt. Neveen College Bori
Dist. Durg (C.G.)

सूचनार्थ
1. Chemistry Dep.
[Signature]
23/09/24 (Chemistry)

2. Zoology Dep.
[Signature]
23/09/24

3. English Dep.
[Signature]

CERTIFICATE

This is to certify that Students of B.Sc III (Bio) year have duly participated in the BOTANICAL EXCERSION STUDY TOUR / FIELD VISIT in Verma Agriculture Farm House as per the syllabus given by the Hemchand Yadav University Durg, Chhattisgarh.

He/She is a bonafied student of this college offering B.Sc III (Bio) year.

Date: 25th September 2024

(Shame)
Head of Botany Department
Govt. Naveen College
Bori, Durg, Chhattisgarh

Acknowledgement

It is with great pleasure that we express our deepest gratitude to the Department of Botany, GOVT NAVEEN COLLEGE BORI for organizing a botanical excertion study tour at Verma Agricultural farm House Bori .We sincerely thank our guide madam Dr. Sangita Devi Sharma madam for giving us time to time suggestions, advice and inspiration for making the excertion a grand success .

Yours sincerely,
Students of B.Sc. 3rd year(Bio)
Department of Botany
Govt. Naveen College Bori Durg (C.G.)

The students who participated in the tour are:

1. Gajendra kumar Gajendra
2. Doshi sahu Doshi
3. Kajal verma Kajal
4. Jyoti verma Jyoti
5. Amardas Amardas banjara
6. Krishnakant कृष्णाकान्त
7. Dhaneshwar धनेश्वर
8. Amrit verma Amrit Verma
9. Pushpa — पुष्पा
10. Tikeshwari टिकेश्वरी
11. Jageshwari जगेश्वरी
12. Sangeeta संगीता देशमहरे
13. Nitish kumar नितीश
14. Neha Neha
15. Chachal sahu Chachal sahu
16. Muskan Muskan kachile
17. Priya Priya sahu
18. Dhaneshwari धनेश्वरी
19. Payal sin Payal sinha

CONTENTS

1. INTRODUCTION
2. AIM AND OBJECTIVE OF THE TOUR
3. REQUISITES FOR THE FIELD COLLECTION
4. TOUR DIARY
5. LISTS OF COLLECTED SPECIMEN
6. CONCLUSION

INTRODUCTION

Field study is an essential part of Botany. The natural environment i.e. the surrounding where we all interact, the plants in their natural habitat is one of the most interesting things that is needed to be studied by the students of Botany. Agriculture is a base of the world economy and for India, the role of agriculture in the economy is much more than other product. World agricultural production is affected by the annual loss of about 20-30% on an average due to plant diseases. So if agriculture is affected by any disease it will directly or indirectly affect our economy and the population which is dependent on agriculture. It needs to survey and analyze plant diseases very accurately within the specified time. Studying the diseases caused by pathogen in plants enhances our knowledge that is learnt from the classroom discussions and laboratory experiments.

The announcement from the Botany Department of Govt. Naveen College Bori, Durg made the students of the B.Sc. III (Bio) year so happy. Our joy knew no bounds when the spot was fixed to Bori which is on the Dhamdha road route.

An apprehensive knowledge of things are always required for students to start a particular study of a particular site in their natural environment. So classroom study and field study are complementary to each other and we cannot ignore any one of them. Hence keeping these two things in view, this study tour was organised by the Department of Botany, Govt. Naveen College Bori as per syllabus prescribed by the Hemchand Yadav University.



AIM AND OBJECTIVE OF THE TOUR

1. To observe and collect the plant species from study site.
2. To study the natural habitats and characters of the plants found in the area.
3. To collect some plant species for herbarium preparation submission for examination
4. The collected plant may be kept and used for reference studies



AIM AND OBJECTIVE OF THE TOUR

1. To observe and collect the plant species from study site.
2. To study the natural habitats and characters of the plants found in the area.
3. To collect some plant species for herbarium preparation submission for examination
4. The collected plant may be kept and used for reference studies



REQUISITES FOR THE FEILD COLLECTION

The following equipments are to be carried along in the field of study:

1. Knives
2. Forceps
3. Scissors
4. Magnifying lenses
5. Portable plastic containers
- 6 Herbarium press
7. Formaldehyde
8. Scale
9. Notebook, pen pencil
10. Camera

TOUR DIARY

On 25th September 2024, all of us and our respected teacher, madam Dr. sangita Devi Sharma met each other at 11:00 am in the college campus. From there, everybody went for our field visit. We reached the place at 11.30 am . After observing the plants diseases and staying there for around 2 hours, we came back around 1.30 pm at college . A survey was conducted during March 2019 to observe the disease prevalence in major crops in that region. The results of this survey showed the prevalence of twenty major diseases in that region. The following crops were surveyed:

1. Rice
2. Maize
3. Rose
4. Banana
5. Citrus
6. Tomato
7. Castor
8. Teak

SPECIMEN COLLECTED FROM THE STUDY SITE

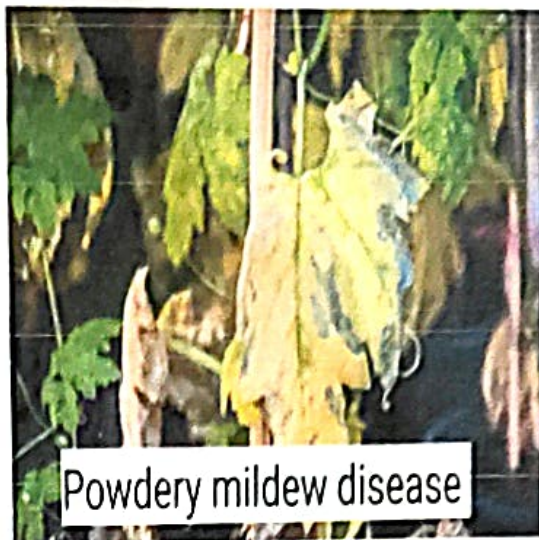
S.no.	Name of the host	Name of the disease	Causal organism
1.	Paddy (Dhaan)	Narrow brown spot disease, Bacterial blight	Helminthosporium oryzae, Xanthomonas campestris.
2.	Ivy gourd (kundaru)	Cercospora leaf spot	Cercospora citrullina
3.	Bitter gourd (karela)	Powdery mildew disease	Sphaerotheca fuliginera
4.	Ladyfinger (bhindi)	Yellow mosaic virus , Downy mildew disease	Monopartite begomovirus, Microscopic fungus .
5.	Brinjal (baingan)	Alternaria leaf spot, Little leaf of brinjal	Alternaria solani, Mycoplasma like organism(MLO)
6.	Pigeon pea (Arhar)	Yellow vein mosaic	Emaravirus (PPMSV)
7.	Beans (Sem)	Beans rust	Uromyces appendiculatus
8.	Pumpkin(kaddu)	Powdery mildew disease	Sphaerotheca fuliginera
9.	Citrus (nimbu)	Citrus canker	Xanthomonas citri
10.	Sugarcane (ganna)	Red rot of sugarcane	Colletotricum falcatum



Brown brown spot disease



Cercospora leaf spot



Powdery mildew disease



Yellow Mosaic Virus



Alternaria leaf spot



Yellow Vein Mosaic virus



Beans Rust



Powdery mildew disease



CITRUS CANKER



Red rot of sugarcane





GPS Map Camera

Funda, Chhattisgarh, India
GOVT. NAVEEN COLLEGE BORI
Lat 21.322773°
Long 81.259825°
25/09/24 11:58 AM GMT +05:30

Google

CONCLUSION

Our tour was very interactive and interesting, student participants interacted in a very well disciplined manner cooperated well with the teacher guide and overall the tour was grand success. We realised that viewing the flora and fauna in its natural form made us vivid enhancing the classroom lectures and laboratory experiments.

Last but not the least we would like to mention the quotation:

" Practice without theory is blind and theory without practice is sterile "

So theory and practice must go hand in hand all the time.

GOVT. NAVEEN COLLEGE BORI

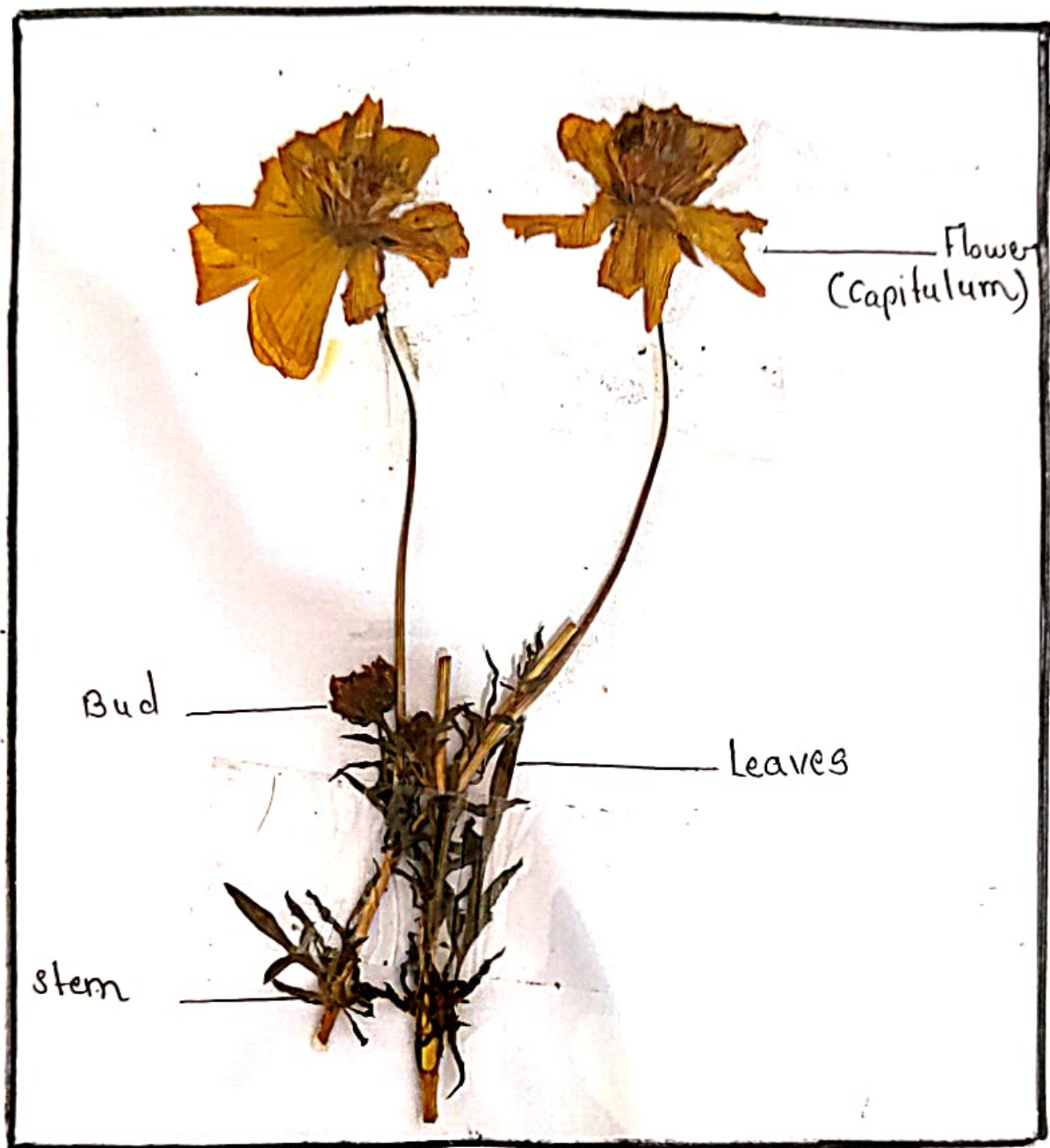


SESSION – 2024 – 2025

**HERBARIUM FILE
BY
DEPARTMENT OF BOTANY**

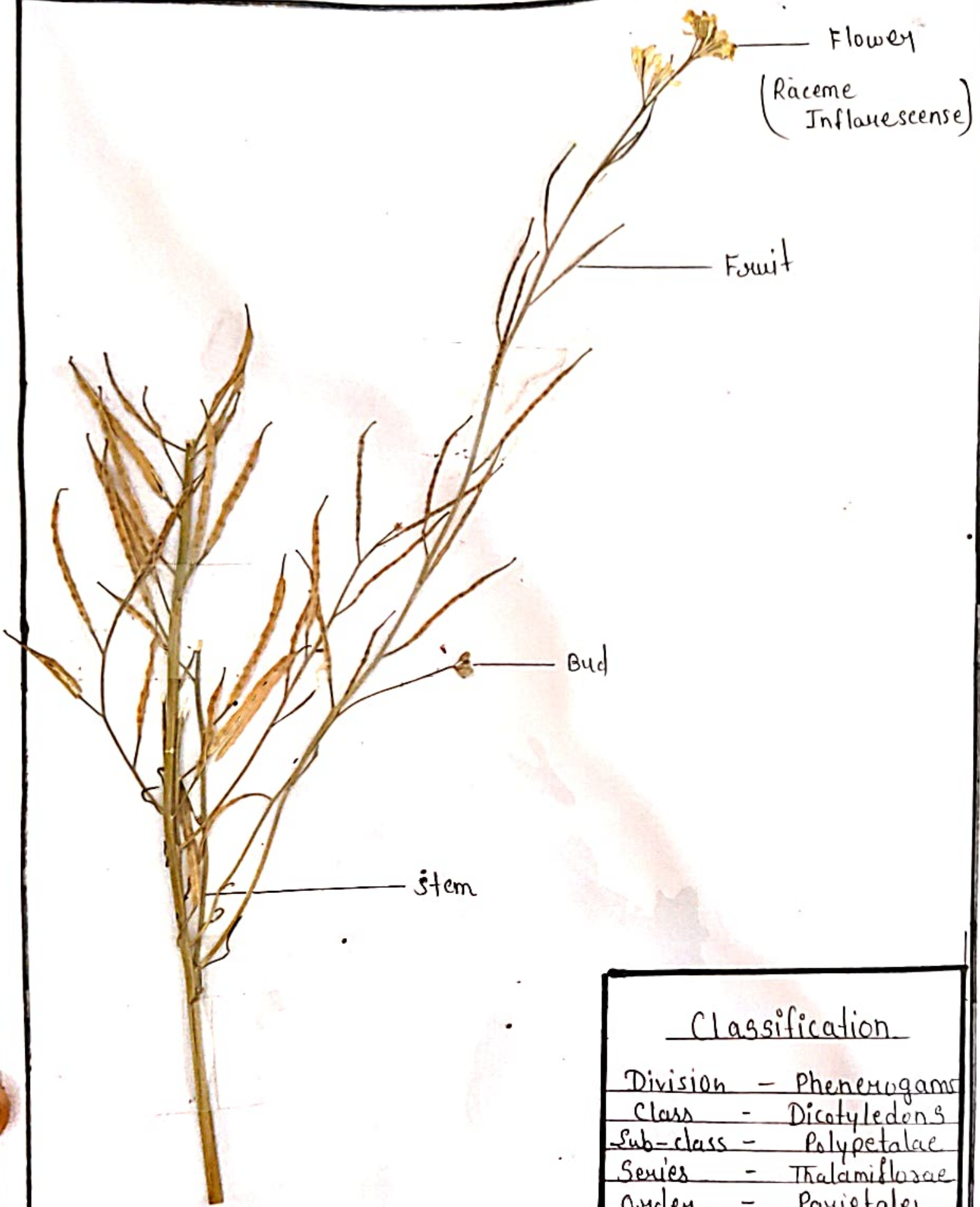
**Students Of
B.Sc. II (Bio)**

**Guided By
Dr. Sangeeta Sharma**



Botanical Name - Cosmos Sulphureus

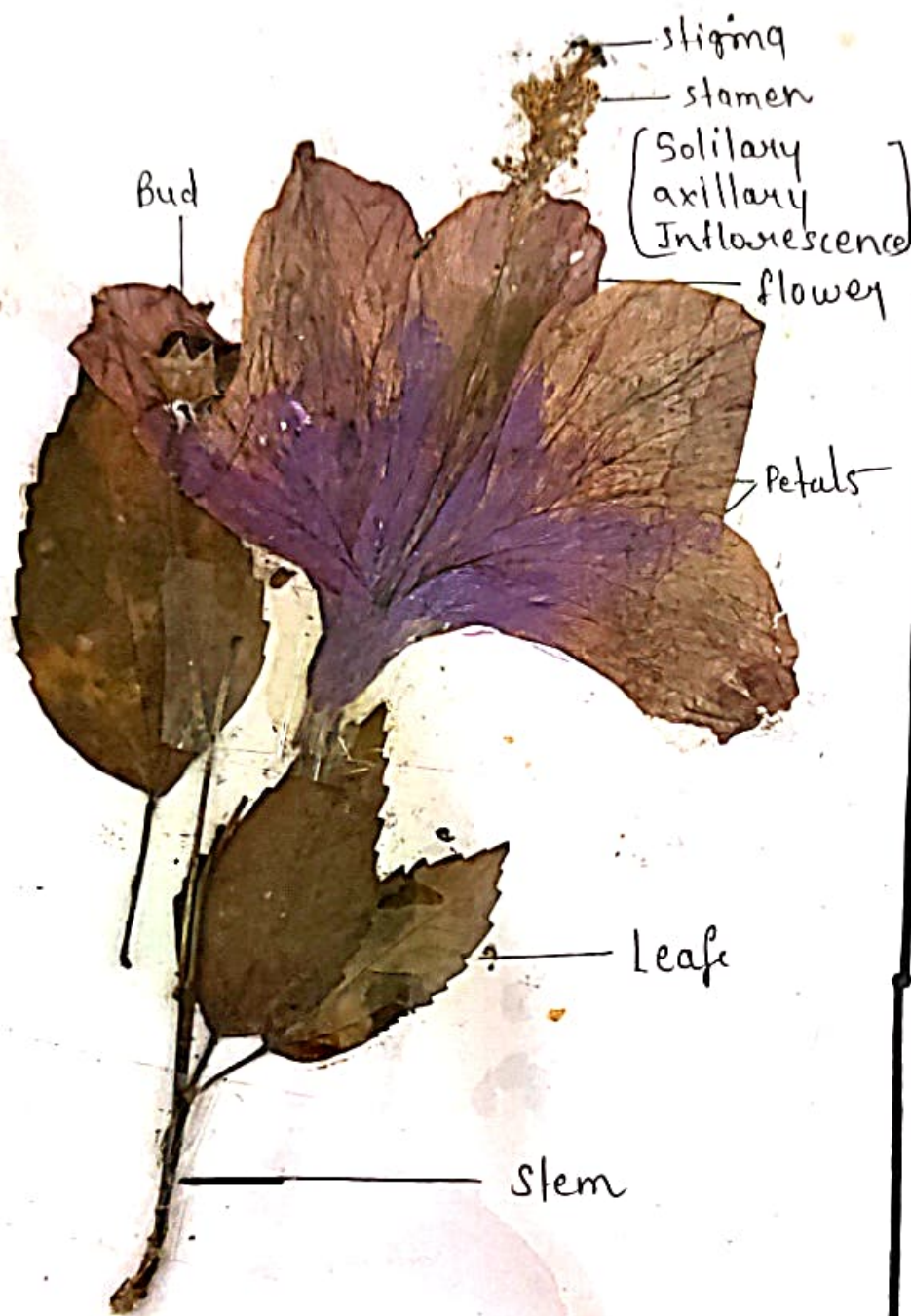
<u>Classification</u>	
<u>Division</u>	- <u>Phanerogams</u>
<u>Class</u>	- <u>Dicotyledons</u>
<u>Sub-class</u>	- <u>Polypetalae</u>
<u>Order</u>	- <u>Ranales</u>
<u>Family</u>	- <u>Ranunculaceae</u>



Classification

Division	-	Phanerogams
Class	-	Dicotyledons
Sub-class	-	Polypetalae
Series	-	Thalamiflorae
Order	-	Parietales
Family	-	Cruciferae

Botanical Name - Brassica campestris



Classification

Botanical Name - Hibiscus rosa-sinensis

Division	- Phanerogams
Class	- Dicotyledons
Sub-class	- Polypetalae
Series	- Thalamiflorae
Orders	- Malvales
Family	- Malvaceae



Flower
(Terminal cyme)
Inflorescence

Bud

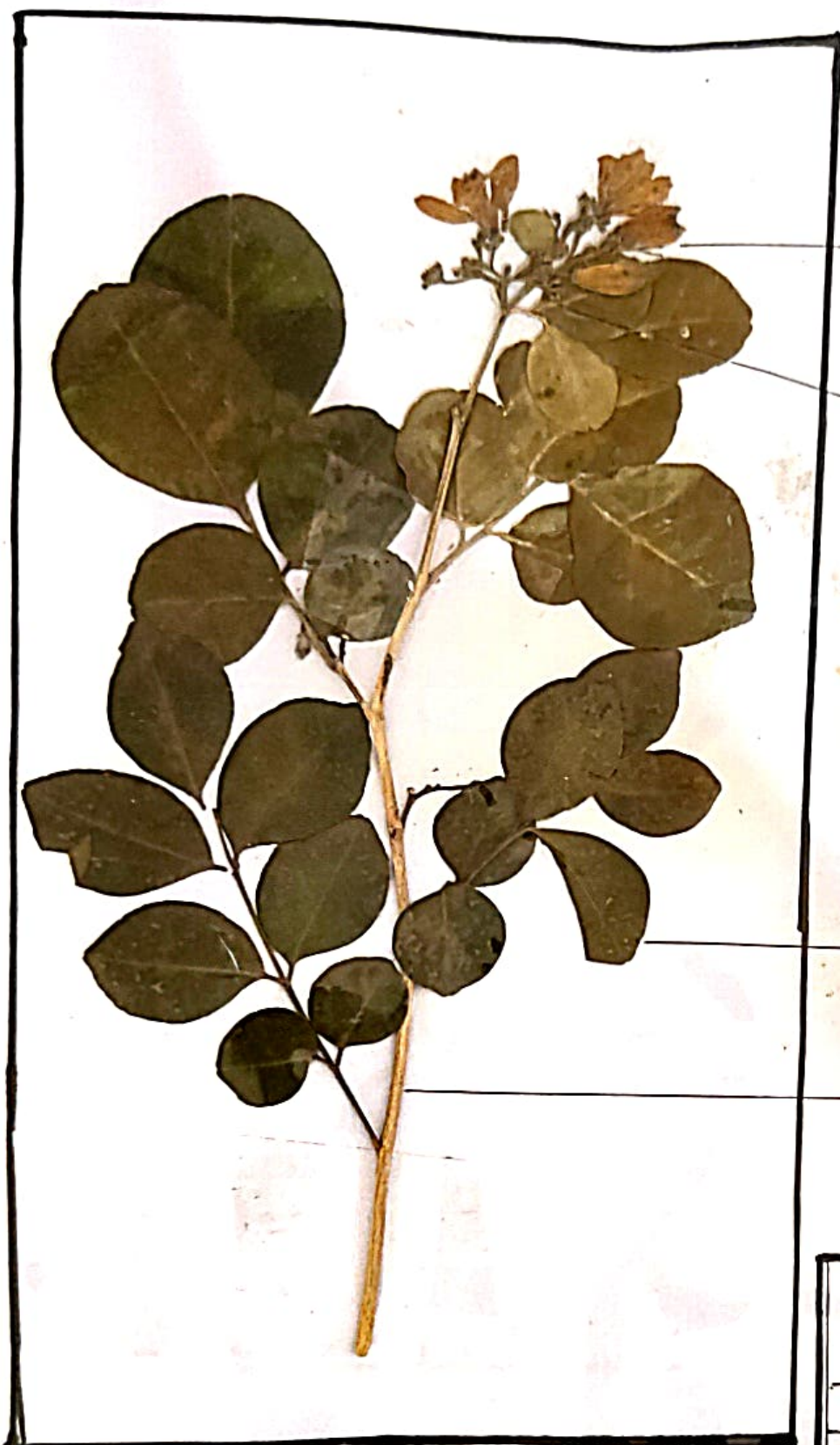
Leaf

Stem

Botanical Name - Murraya paniculata

Classification

Division - Phanerogams
Class - Dicotyledons
Sub-class - Polypetalae
Series - Disciflorae
Order - Geraniales
Family - Rutaceae



Flower
(Terminal cyme)
(Inflorescence)

Bud

Leaf

Stem

Botanical Name - Murraya paniculata

Classification

Division - Phanerogams

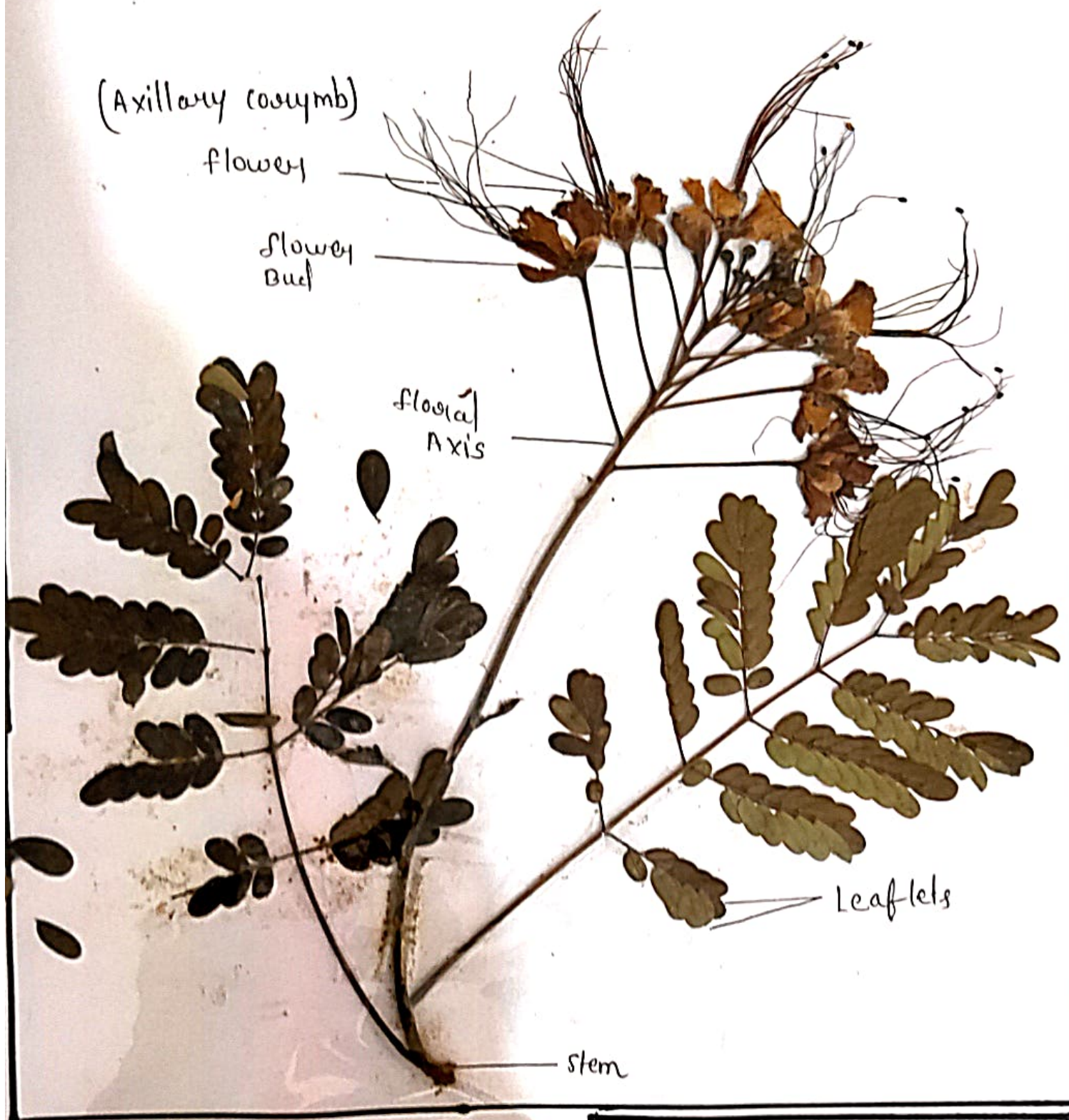
Class - Dicotyledons

Sub-class - Polypetales

Series - Disciflorae

Order - Geraniales

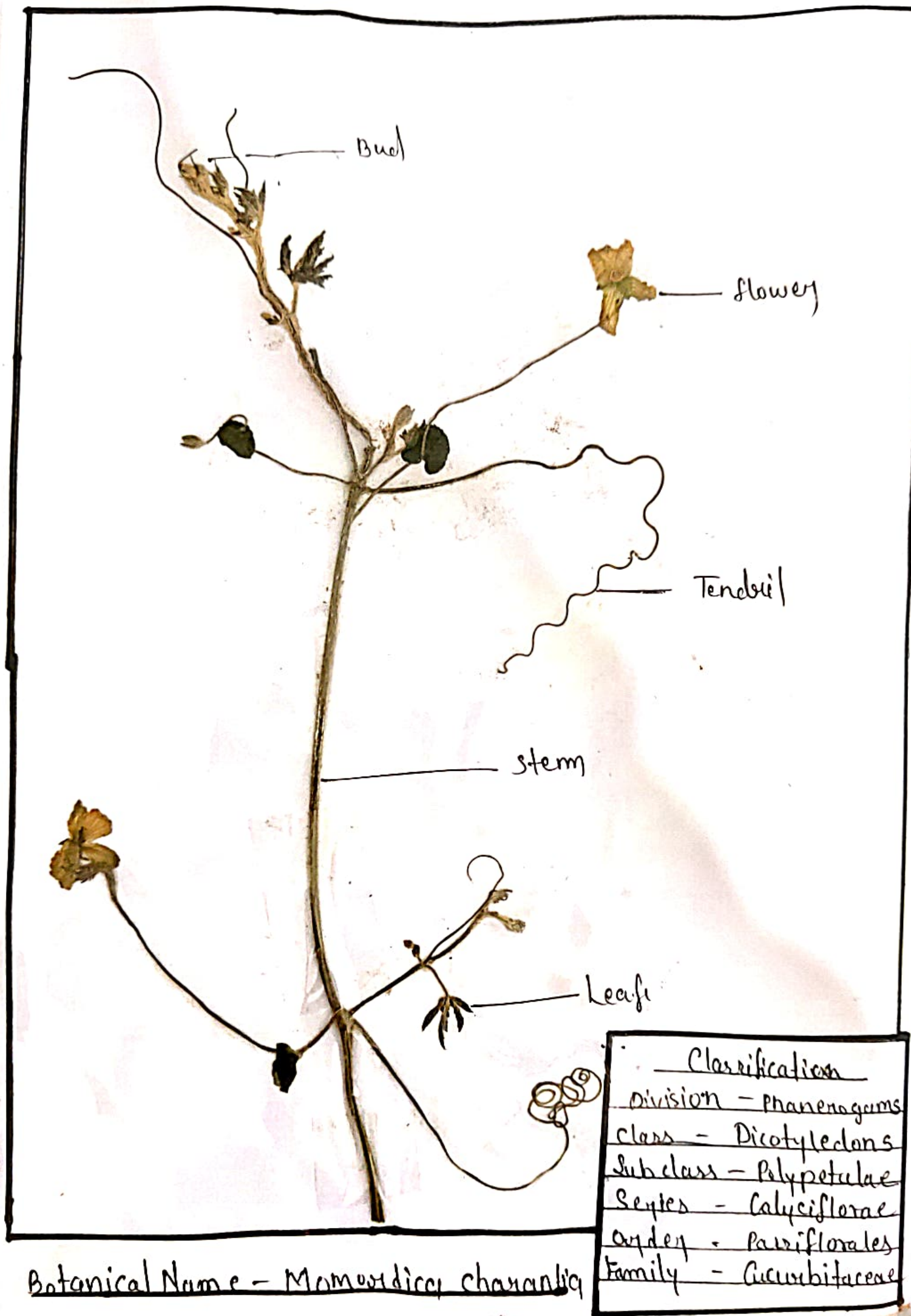
Family - Rutaceae



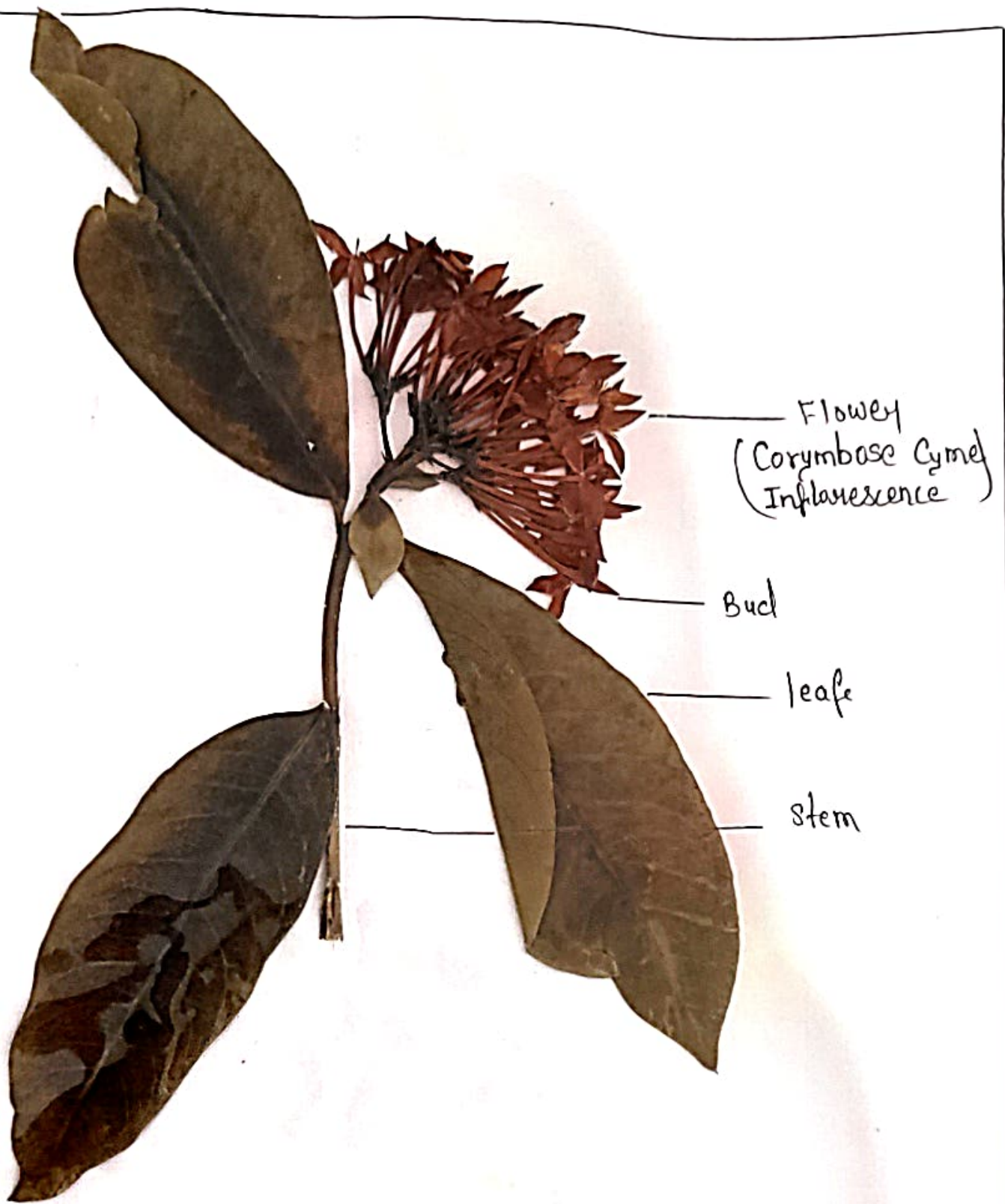
Botanical Name - Delonix regia

Classification

Division	-	Phanerogams
Class	-	Dicotyledons
Sub-class	-	Polypetalae
Series	-	Calyciflorae
Order	-	Rosales
Family	-	Fabaceae or Leguminosae



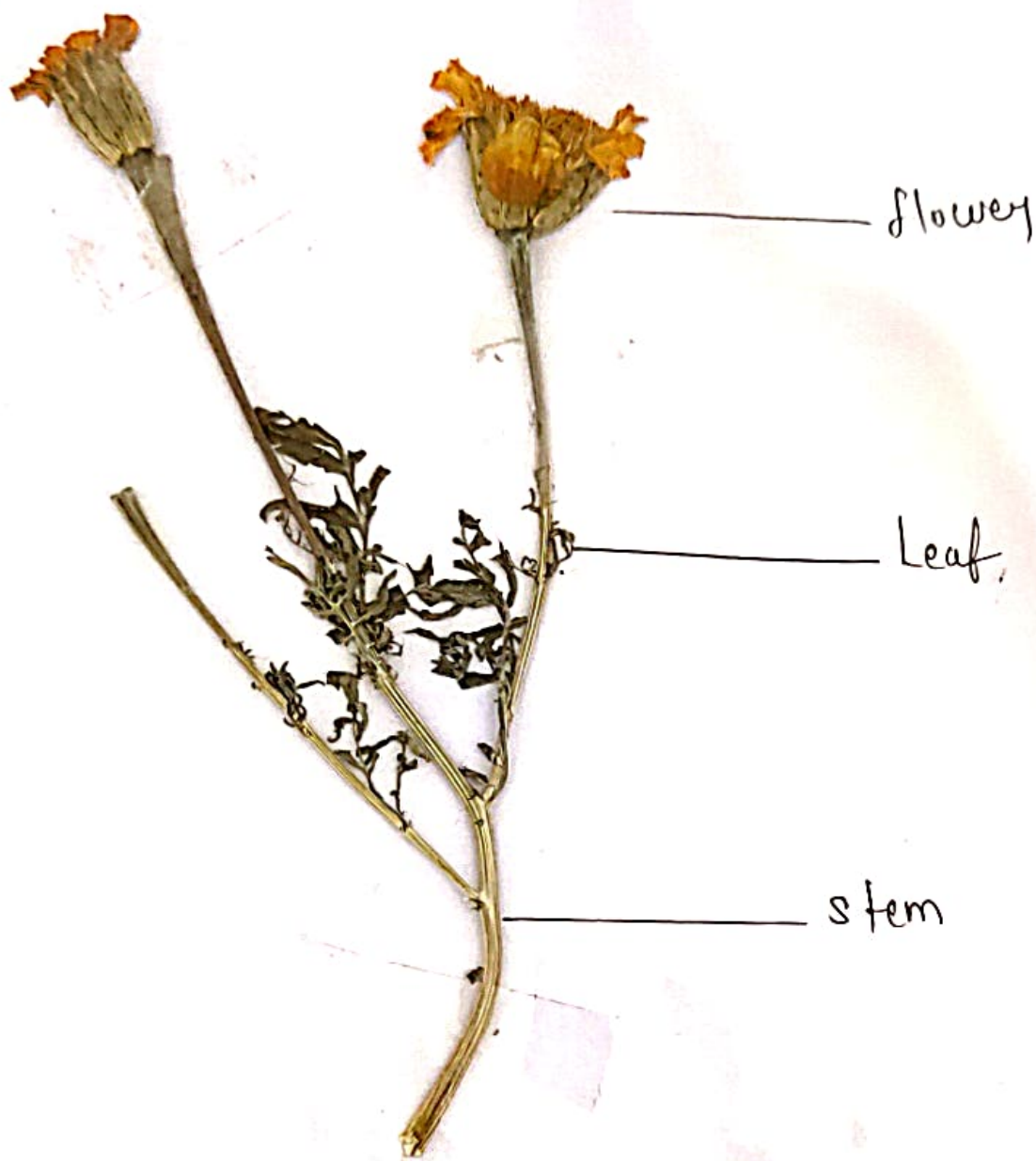
Botanical Name - Momordica charantia



Classification

Division	- Phanerogams
Class	- Dicotyledons
Sub-class	- Gamopetalae
Series	- Inferae
Order	- Rubiales
Family	- Rubiaceae

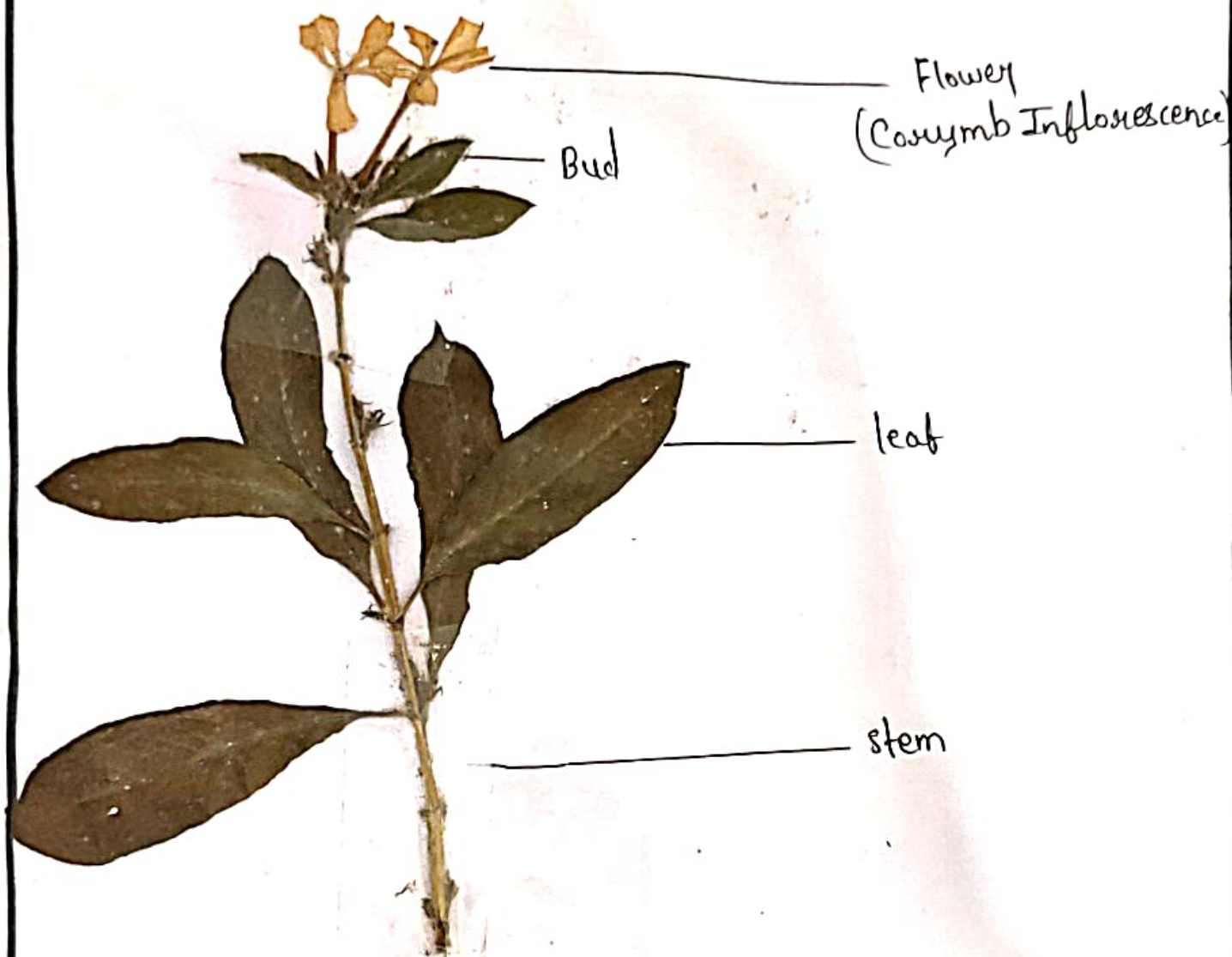
Botanical Name - Trena coccinea



Classification

Division	- Phanerogams
Class	- Dicotyledons
Sub-class	- Gamopetalae
Series	- Inferae
Order	- Asterales
Family	- Asteraceae

Botanical Name :- Tagetes erecta



Botanical Name - *Catharanthus roseus*

Classification

Division - Phanerogams

Class - Dicotyledons

Sub-class - Gamopetalae

Series - Bicarpellatae

Order - Gentianales

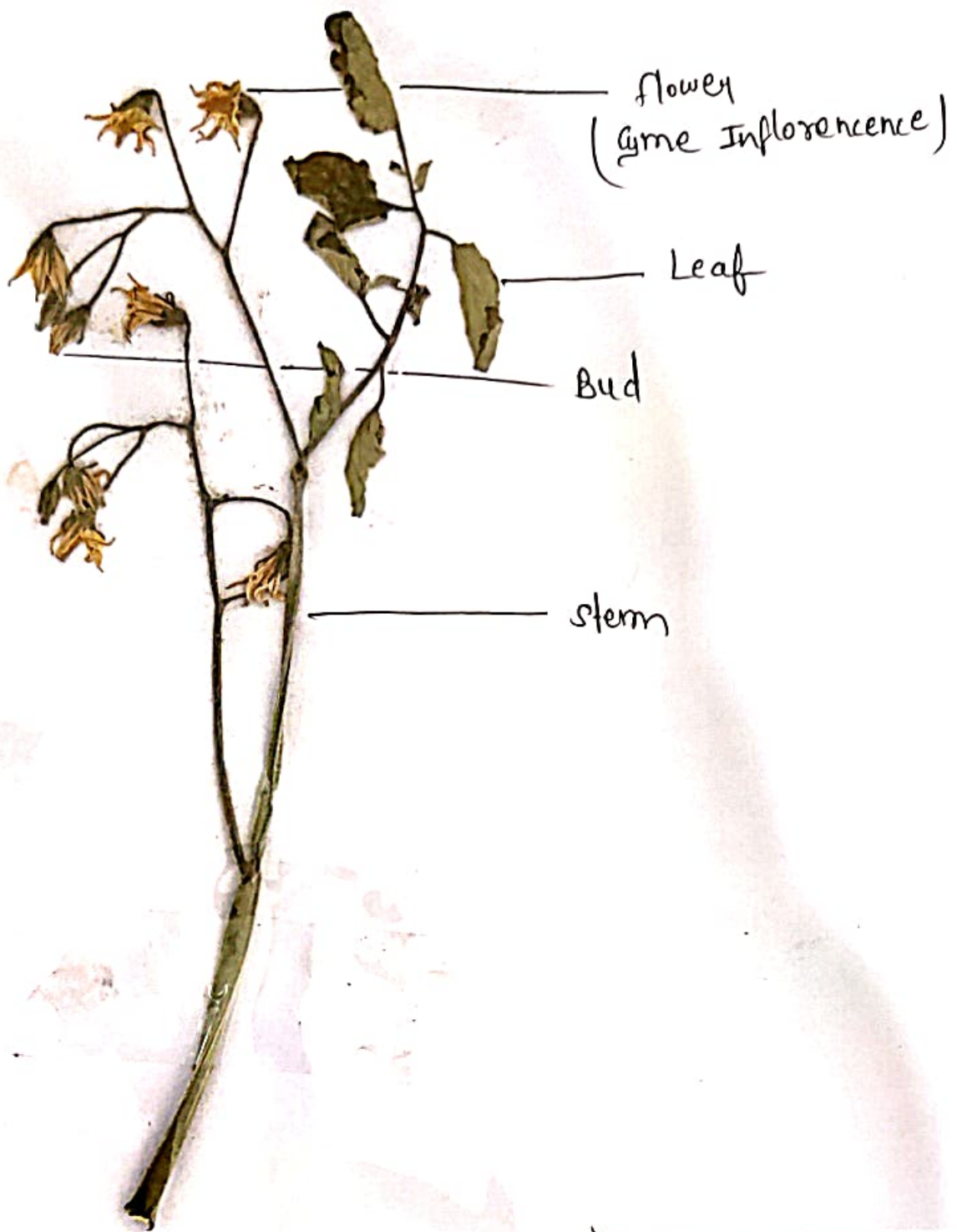
Family - Apocynaceae



Botanical Name - *Boerhaavia prionitis*

Classification

Division -	Phanerogams
Class -	Dicotyledons
Sub-class -	Gamopetalae
Series -	Bicarpellatae
Order -	Personales
Family -	Acanthaceae



Classification

Division - Phanerogams

Class - Dicotyledons

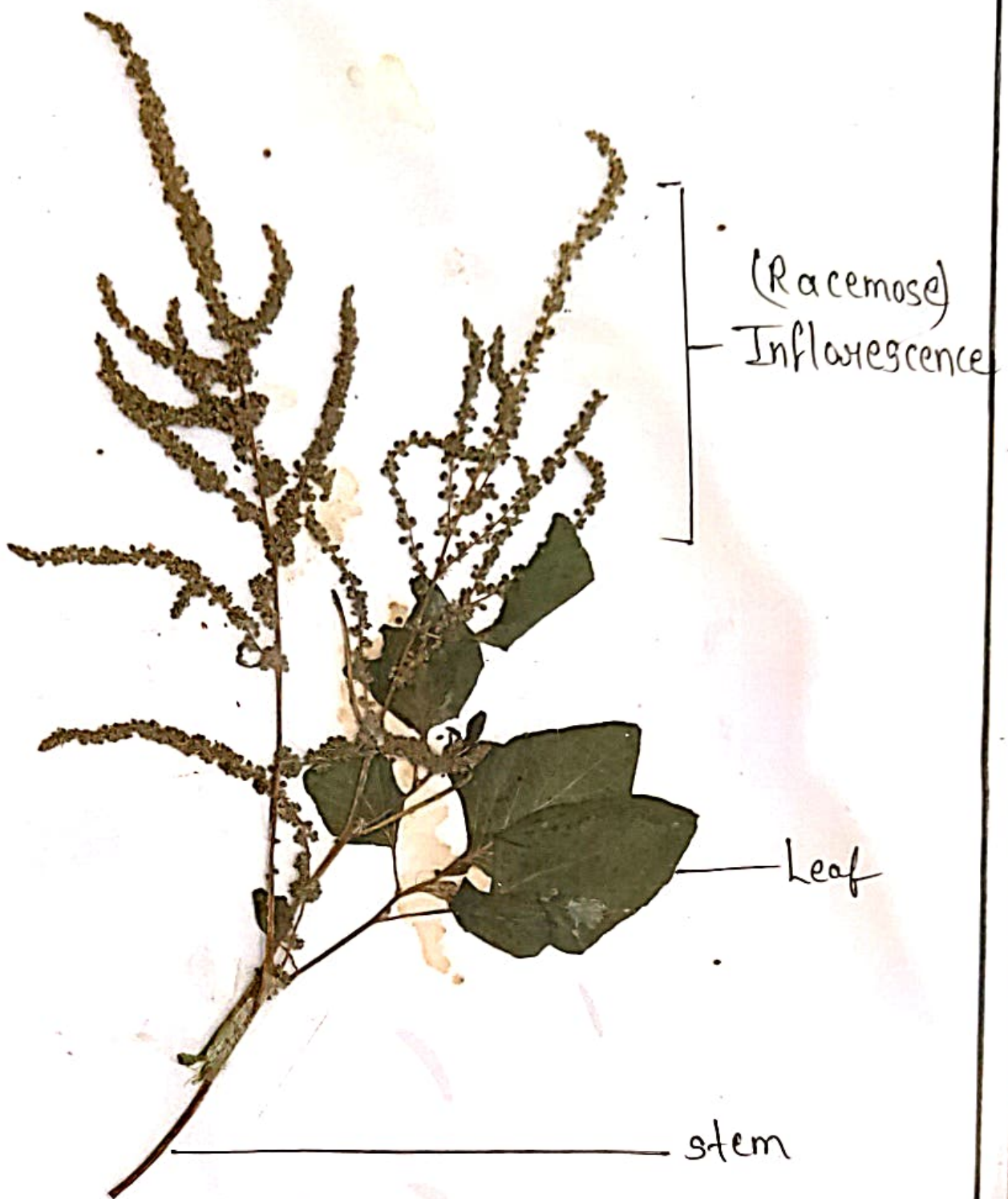
Sub-class - Gamopetalae

Series - Solanales

Order - Solanales

Family - Solanaceae

Botanical Name - Solanum lycopersicum



Botanical Name - Amaranthus
oleracea

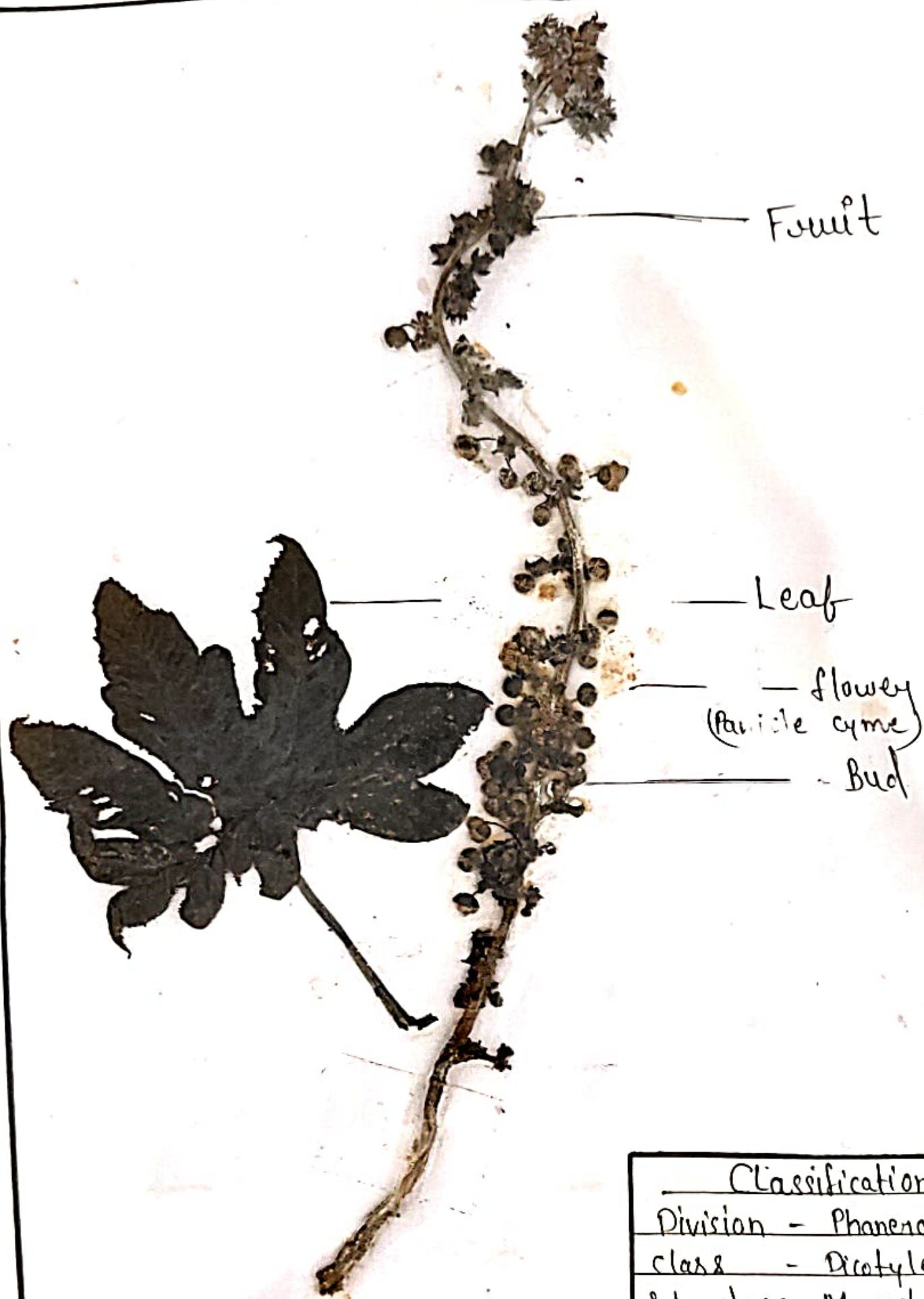
Classification

Division - Phanerogams
Class - Dicotyledons
Sub-class - Monechlamydaea
or Incompletae
Order - Cuvembryaceae
Family - Amaranthaceae



Botanical Name - Gomphrena globosa

Classification
Division - Phanerogams
Class - Dicotyledons
Sub-class - Monochlamydeae
Order - Caryophyllales
Family - Amaranthaceae



Classification

Division - Phanerogams

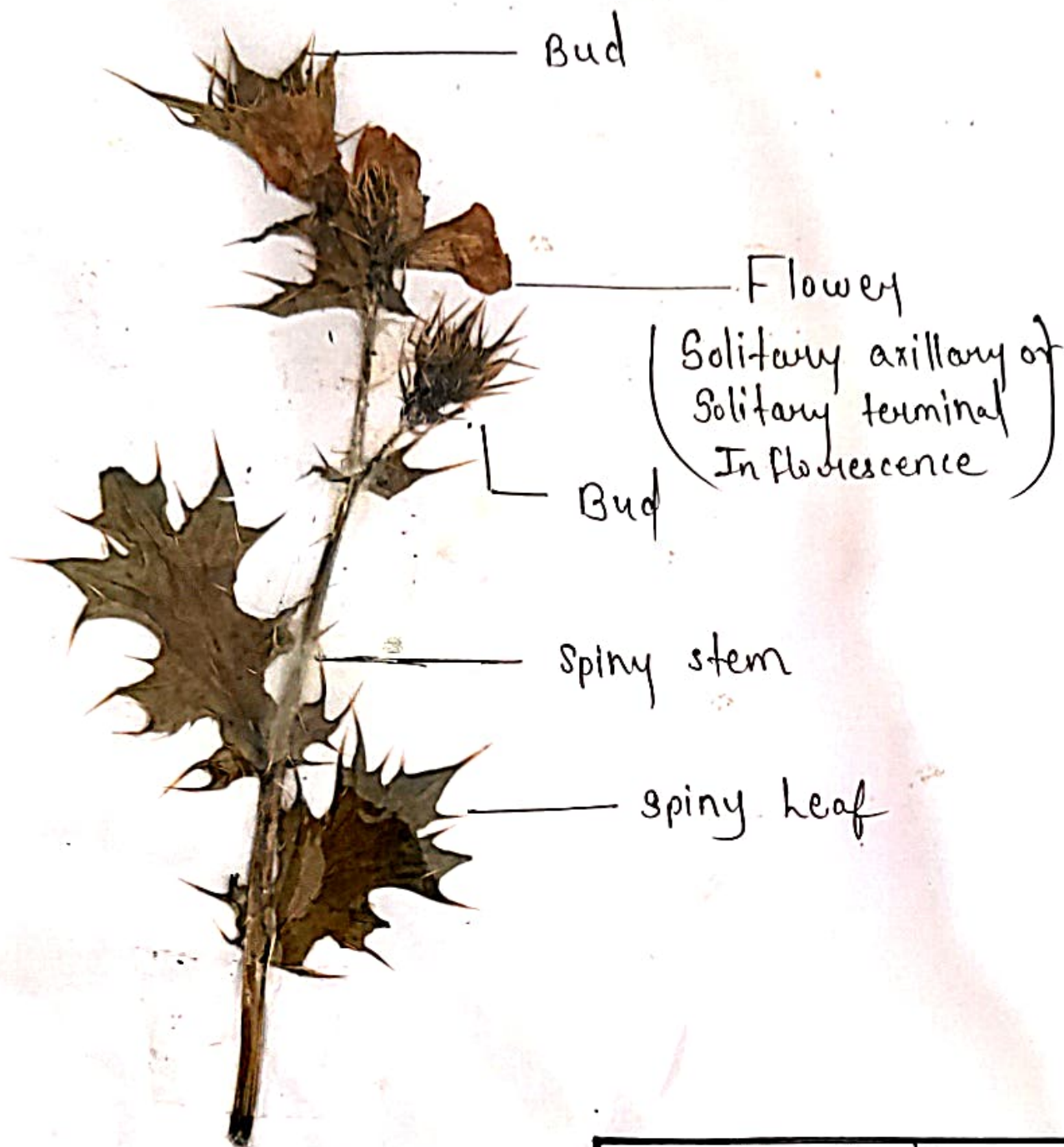
Class - Dicotyledons

Sub-class - Monochlamydeae
or Incompletae

Order - Unisiales

Family - Euphorbiaceae

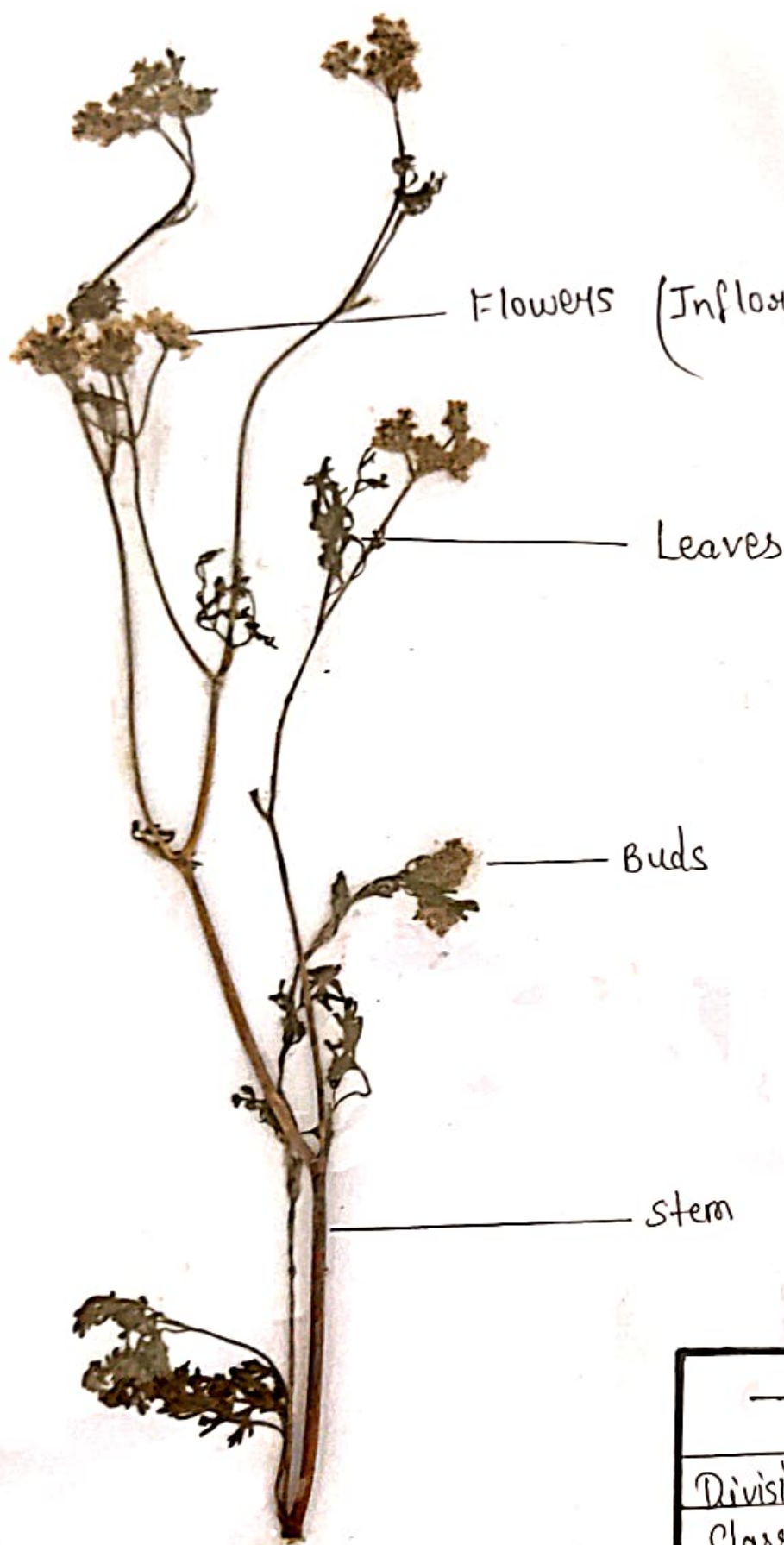
Botanical Name - Ricinus communis



Classification

Division	- Phanerogams
Class	- Dicotyledons
Sub-class	- Polypetalae
Series	- Thalamiflorae
Order	- Parietales
Family	- Papaveraceae

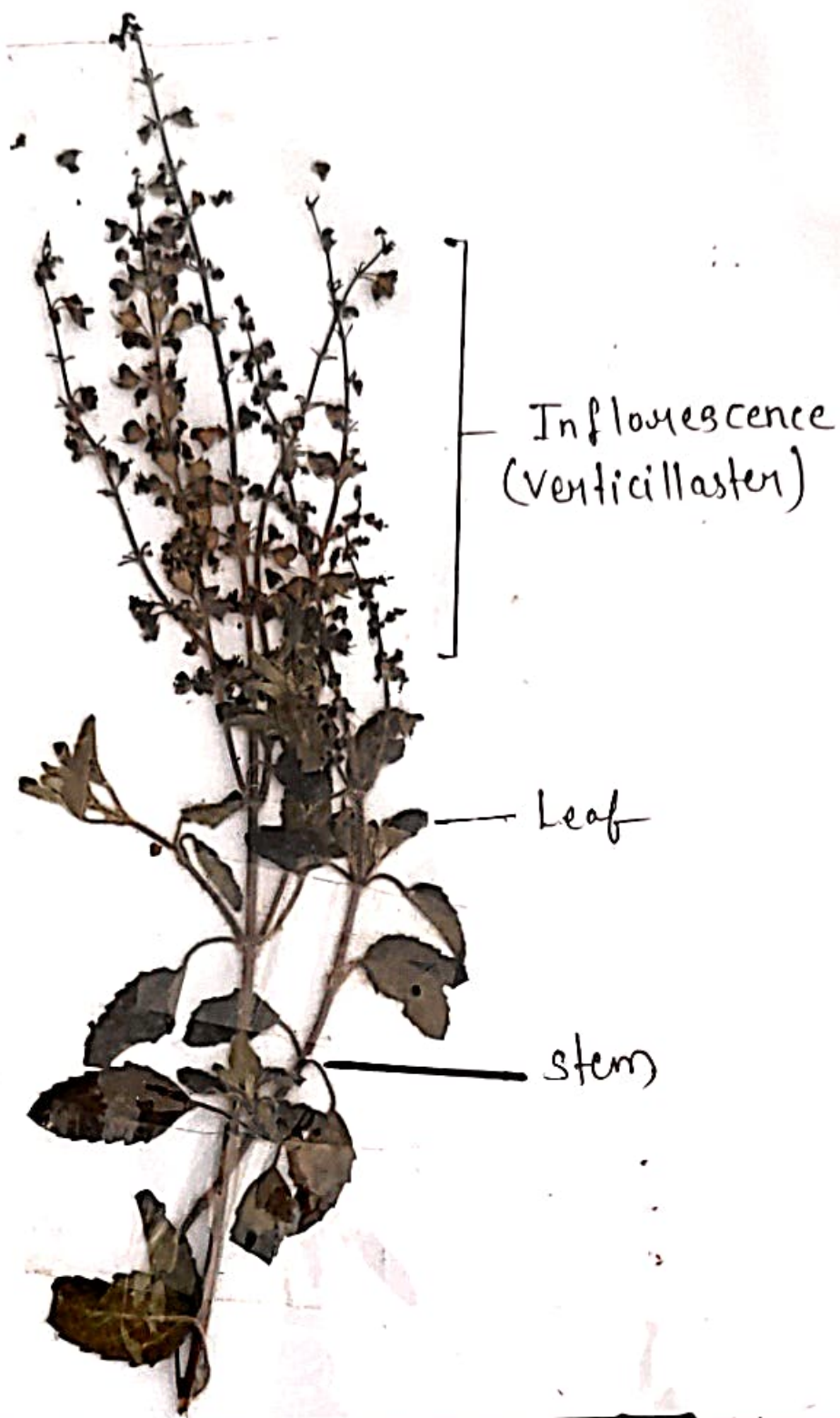
Botanical Name - Argemone mexicana



Botanical Name - Coriandrum sativum

Classification.

Division -	Phanerogams
Class -	Dicotyledons
Sub-class -	Magnoliidae
Order -	Apiales
Family -	Apiaceae



Botanical Name - Ocimum sanctum

Classification

Division	- Phanerogams
Class	- Dicotyledons
Sub-class	- Gamopetalae
Series	- Bicarpellatae
Order	- Lamiales
Family	- Lamiaceae



Botanical Name - Zephyranthes grandiflora

Classification

Division - Phanerogamy
Class - Monocotyledae
Series - Amaryllidaceae
Family - Liliaceae



Leaf

Fruit

Inflouescence type! - स्पाइकेल का पेसिकल

Classification

Division - Phanerogams

Class - Monocotyledons

Series - Glumaceae

Family - Poaceae or Gramineae

Botanical Name - Oryza sativa



Botanical Name - Combretum indicum

classification	
Division	- Phanerogams
Class	- dicotyledons
Sub Class	- Rosidae
order	- Myrtales
Family	- Combretaceae



Botanical Name - Tecoma stans

Classification

Division - Phanerogams

Class - Dicotyledons

Order - Lamiales

Family - Bignoniaceae

Genus - Tecoma

Species - stans



Classification

Division - Phanerogams

Class - Dicotyledons

Order - Sapindales

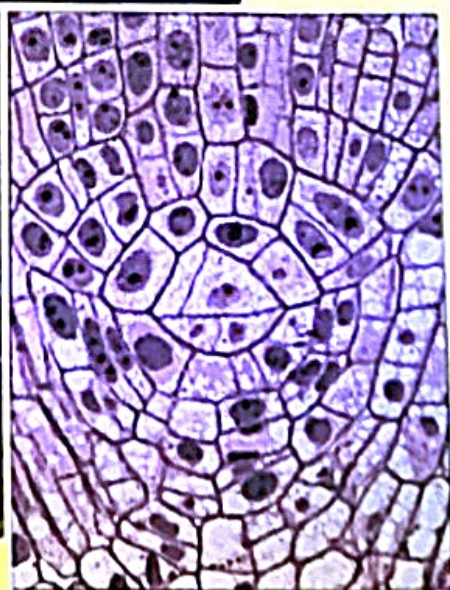
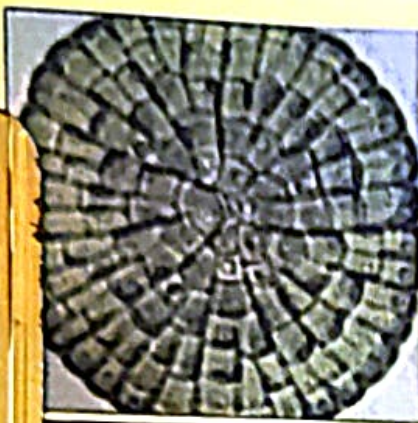
Family - Rutaceae

Genus - *Murraya*

Species - *paniculata*

Botanical Name - *Murraya paniculata*

BOTANY for the NEXT MILLENNIUM



Name- Aman Das Banerjee class- B.Sc. III (Bio)

COMMON NAME - **LOTUS**

BOTANICAL NAME - **NELUMBO NUCIFERA**



Name-Muskan kaushik (B.scIII)

COMMON NAME-LILY

BOTANICAL NAME- *Lilium*



COMMON NAME -BESHGRAM

BOTANICAL NAME-*Ipomoea carnea*



Name – Vishnu sahu (B.sc III)

COMMON NAME - APRAJITA

BOTANICAL NAME - *Clitoria ternatea*



Name - Astha sahu (B.sc III)

COMMON NAME - DHATURA

BOTANICAL NAME - *Datura stramonium*.



Name - Sangeeta (B.sc III)

COMMON NAME - DHATURA

BOTANICAL NAME - *Datura stramonium*.



NAME - JAGESHWARI
CLASS - Bsc. III

COMMONNAME – MONGRA
BOTANICALNAME – *JASMINUM SAMBAC*



Name – Rahul kumar BSc final year

COMMON NAME - BALSAM

BOTANICAL NAME – *Impatiens balsamina*



Name – Krishnkant BSc final year

COMMON NAME - GUDHAL

BOTANICAL NAME - *Hibiscus rosa sinensis*



LAXMI VERMA B.Sc Final

COMMON NAME – ROSE

BOTANICAL NAME – *Rosa indica*



MAMTA DHANKAR B.SC FINAL YEAR

Common Name - ixora

Botanical Name - *jungal Geranium*



me - payal shinha (B.sc. III)

Common Name - Sarpgandha

**Botanical Name - *Raulphilia*
*sarmentosa***

Name → SURUCHI , Class → BSc III



Common Name - Nerium

Botanical Name - *Nerium Oleander*

Name → Suruchi , Class → BSC III



COMMON NAME - GULMOHAR
BOTANICAL NAME – *Delonix regia*
Delonix regia



NAME - SHWETA (B.SC III BIO)

COMMON NAME - ROSE

BOTANICAL NAME - *Rosa indica*



Name - Dhaneshwari patel
(Ramayan Patel)

Class - BSC III (Bio)

COMMON NAME -DAISY

BOTANICAL NAME - *Bellis perennis*



NAME - Chanchal sahu
(Bsc 3rd year)

common Name - china rose

Botanical Name - *hibiscus rosa sinensis*



Name - Dhaneshwari

Class - Bsc. Third Year

Common Name - Champa

Botanical Name - *Magnolia Champaka*



Name - Priya sahu (B.S.C III)

Botenical Name - Bougainvillea

Common Name - PaPerFlower



Name - Tikeshwari

Class _ BSc. Third Year

COMMON NAME - JASMINE (CHAMELI)

BOTANICAL NAME - *Jasminum*



NAME -Amrit verma
(Bsc 3rd year)

COMMON NAME - MADAGASCAR PERIWINKLE

BOTANICAL NAME - *Catharanthus roseus*



NAME -Chandani sahu

Bsc 3rd year

COMMON NAME - GUDHAL

BOTANICAL NAME - *Hibiscus rosa sinensis*



NAME -DEVVRAT PATEL

Bsc 3rd year

COMMON NAME - PORTULACA

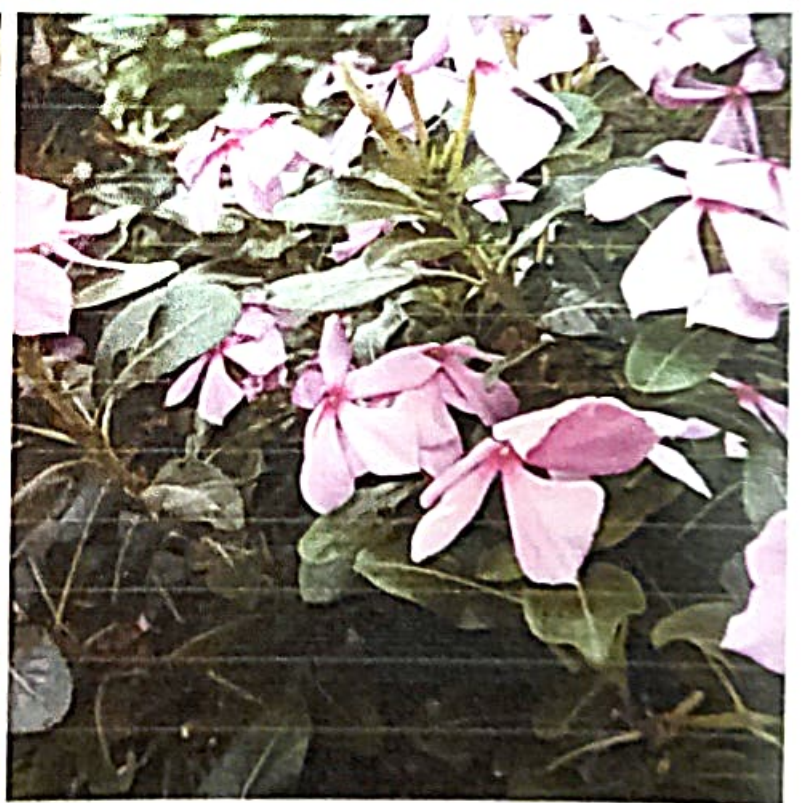
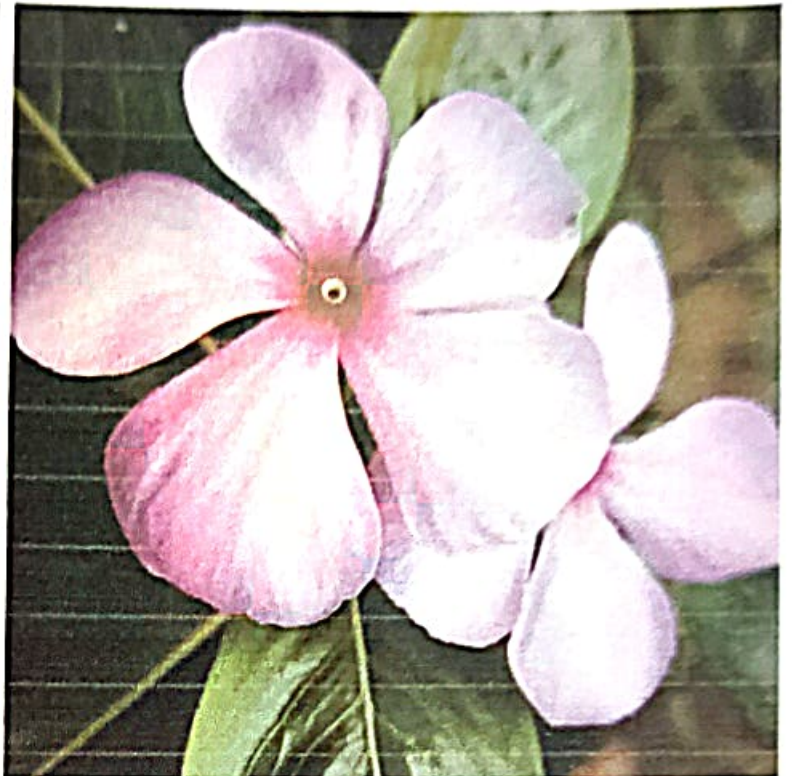
BOTANICAL NAME - *Portulaca species*



Name - Doshi (B sc III)

COMMON NAME - Sada suhagan

BOTANICAL NAME - *Catharanthus roseus*



Name - Pushpa (B.sc III)

COMMON NAME - NERIUM

BOTANICAL NAME - *Nerium indicum*



Name - Kajal (B.sc III)

COMMON NAME - ZINNIA

BOTANICAL NAME - *Zinnia elegans*



Name - Harshika(Bsc III)

Common name -Rajanigandha
Botanical name: Agave amica



Name -chanchal patel (BscIII)

Common name -Rajanigandha
Botanical name: Agave amica



Name -chanchal patel (BscIII)

COMMON NAME - MARIGOLD

BOTANICAL NAME - *Tagetes species*



Name - Gajendra Kumar (B.sc III)

COMMONNAME - SEVANTI

BOTANICALNAME-*Chrysanthemummultiform*



Name - Jyoti Bsc final year

COMMON NAME – CANNA LILY

BOTANICAL NAME – *Chlorodegdrun flomix*



NAME – KAILASH DEWANGAN (B.SC III BIOLOGY)

common Name - Raatrani

Botanical Name - *cestrum Nocturnum*



Name of student

Dhyaneshwar patel Bsc (III)

COMMON NAME – SAFED MURGA, SURVALI

BOTANICAL NAME – *Celosia argentea*



NAME – NITISH (B.SC – III BIO)

COMMON NAME – SUNFLOWER

BOTANICAL NAME – *Helianthus annuus*



NAME – NEELAM(B.SC – III BIO)

COMMON NAME – SWEET WILLIAM

BOTANICAL NAME – *Dianthus barbatus*



NAME – OMIKA DEWANGAN(B.SC – III BIO)

COMMON NAME _ ROSEMARY
BOTANICAL NAME _ *Rosmarinus*



Name_ Neha (BscIII)

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग

क्षेत्र आधारित प्रायोगिक कार्य

शोध प्रविधि

एम. ए. (राजनीति विज्ञान) चतुर्थ सेमेस्टर के 4th

प्रश्न पत्र के अंतर्गत



सत्र 2024-2025

विषय – “कौशल विकास”

Nur
15/5/25

मार्गदर्शक
डॉ. नुशरज जहां
अतिथि व्याख्यता

50/50
Mehala
07-05-25

Shital
प्रायोगिक कर्ता
शीतल कुमार
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

शासकीय नवीन महाविद्यालय बोरी दुर्ग
(छ.ग.)

दुर्ग जिले पर आधारित
परियोजना कार्य



एम ए राजनीति विज्ञान के अंतर्गत मास्टर ऑफ आर्ट्स
की उपाधि हेतु प्रस्तुत प्रतिवेदन

विषय – छत्तीसगढ़ की राजनीति एवं शासन
व्यवस्था की संपूर्ण जानकारी

Nusant
5/5/25
मार्गदर्शक
डॉ. नुसरत जहां

50
50
mehta
07-05-25

[Signature]
प्रायोगिक कर्ता
धनीराम
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

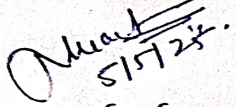
शासकीय नवीन महाविद्यालय बोरी दुर्ग
(छ.ग.)

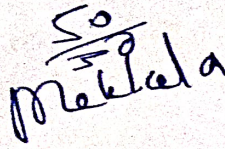
क्षेत्र पर आधारित
परियोजना कार्य

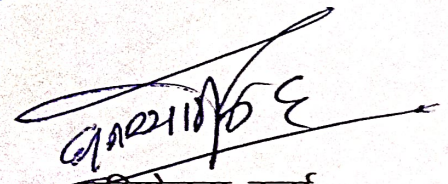


एम ए राजनीति विज्ञान के अंतर्गत मास्टर ऑफ आर्ट्स
की उपाधि हेतु प्रस्तुत प्रतिवेदन

विषय – राष्ट्रपति के संबंध में संपूर्ण जानकारी


मार्गदर्शक
डॉ. नुसरत जहां




परियोजना कर्ता
घनश्याम सिंह पटेल
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

शासकीय नवीन महाविद्यालय बोरी दुर्ग
(छ.ग.)

क्षेत्र पर आधारित
परियोजना कार्य



एम ए राजनीति विज्ञान के अंतर्गत मास्टर ऑफ आर्ट्स
की उपाधि हेतु प्रस्तुत प्रतिवेदन

विषय – ग्रामीण विकास के संबंध में संपूर्ण
जानकारी

मार्गदर्शिका
श्री अनुराग पटेल

50 marks

Tikamram
परियोजना कर्ता
टीकाराम
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर